RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 52 ता. 17 अगस्त 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

गगनयान की पहली टेस्ट फ्लाइट दिसंबर में

जी1 रॉकेट के हार्डवेयर श्रीहरिकोटा पहुंचे, त्रिवेंद्रम में क्रू-मॉड्यूल पर काम जारी

बेंगलुरु इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट इस साल दिसंबर में लॉन्च करेगा। इसमें इंसान को नहीं भेजा जाएगा। मिशन की दूसरी फ्लाइट में रोबोट व्योम मित्र और तीसरी उड़ान में चार अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा। इसरो ने अभी दूसरी और तीसरी उड़ान का समय नहीं बताया है।इसरो चेयरमैन एस. सोमनाथ ने बताया कि मिशन के रॉकेट के हार्डवेयर श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर पहुंच चुके हैं। वहीं त्रिवेंद्रम के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-मॉड्यूल पर काम जारी है। उम्मीद है कि नवंबर तक यह काम पूरा हो जाएगा। गगनयान का मानव मिशन 3 दिनों का होगा, जिसके तहत एस्ट्रोनॉट्स के दल को 400 किमी ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल (जिसमें एस्ट्रोनॉट बैठते हैं) को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। भारत इस मिशन में कामयाब रहा तो वह ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

भारत लाया जा सकता है 26/11 का आतंकी तहव्वुर राणा

-अमेरिकी कोर्ट ने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील खारिज की

भोपाल । 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ उसकी अपील को अमेरिकी अदालत ने खारिज कर दिया है। अमेरिकी अदालत ने 15 अगस्त को अपने फैसले में कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है।पाकिस्तानी मूल के कनाडाई बिजनेसमैन राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में पिछले साल एक याचिका दायर की थी। उसने गुहार लगाई थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए। मई 2023 में भी एक अमेरिकी अदालत ने राणा की तरफ से दायर याचिका को खारिज कर दिया था। भारत को सौंपे जाने से बचने के लिए पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा ने अमेरिका की कोर्ट में हेबियस कॉर्पस यानी बंदी प्रत्यक्षीकरण दायर की थी। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का इस्तेमाल उस समय किया जाता है जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से कस्टडी में रखा जाए। हालांकि लॉस एंजिलिस के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि जिन आरोपों को आधार बनाकर भारत ने तहव्वुर के प्रत्यर्पण की मांग की है, उन्हें देखते हुए उसके प्रत्यर्पण की इजाजत दी जा सकती है। अपने खिलाफ फैसला आने के बाद राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में एक और याचिका दायर की थी।

कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस पटरी से उतरी

आईबी की टीम और पुलिस जांच में जुटी

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस (19168) पटरी से उतर गई। 22 डिब्बे डिरेल हुए हैं। ट्रेन वाराणसी से अहमदाबाद जा रही थी। गनीमत रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। कुछ यात्री घायल हुए हैं। हादसा देर रात 2.35 बजे कानपुर शहर से 11 किमी दूर भीमसेन और गोविंदपुरी स्टेशन के बीच हुआ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ट्रेन का इंजन पटरी पर रखी किसी भारी चीज से टकराया। इंजन पर टकराने के निशान हैं। सबूत सुरक्षित रखे गए हैं। आईबी और यूपी पुलिस जांच कर रही है। नॉर्दन सेंट्रल रेलवे के जीएम उपेंद्र चंद्र जोशी ने कहा- यह तय है कि हादसा इंजन के किसी चीज से टकराने से हुआ है। मौके पर कोई चीज नहीं मिली है। हादसे के वक्त ट्रेन की स्पीड 70 से 80 के बीच थी। एक पहिया उतरते ही प्रेशर कम हुआ। ड्राइवर ने वक्त रहते इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिस वजह से बड़ा हादसा होने से बच गया। रेल अफसरों ने बताया कि हादसे से 1 घंटे 20 मिनट पहले पटना-इंदौर एक्सप्रेस ट्रैक से गुजरी थी, तब तक ट्रैक सुरक्षित था। हादसे के बाद 16 ट्रेनों को रद्द किया गया। 10 ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। रेलवे का कहना है कि 24 घंटे में ट्रैक क्लियर कर देंगे।

वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट में पीएम मोदी

जलवायु परिवर्तन ही नहीं, स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर भी हम चिंतित

नई दिल्ली, ।

पीएम नरेंद्र मोदी ने खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है। वर्चुअल रूप से आयोजित तीसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में शनिवार को बोलते हुए पीएम मोदी ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन देशों का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि जबकि दुनिया अभी महामारी के प्रभावों से उबर रही है, चल रहे भू-राजनीतिक तनावों ने कई देशों के विकास पथ को और जटिल बना दिया है।

उन्होंने कहा कि हम न केवल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी हम चिंतित हैं।पीएम मोदी ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खतरों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने बढ़ते तकनीकी विभाजन और तकनीकी प्रगति से संबंधित नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के उभरने पर प्रकाश डाला।

उन्होंने मौजूदा वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थाओं की आलोचना करते हुए कहा कि वह 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने में विफल रहे हैं। उन्होंने विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के महत्व को रेखांकित किया है और कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान देश का एजेंडा ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं और प्राथमिकताओं के साथ संरेखित था।पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह सामूहिक ताकत उन्हें एक नई दिशा में मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच है जहां हम उन लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को आवाज देते हैं जिनकी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार को बड़ा झटका

चार नेताओं ने छोड़ी पार्टी; शरद पवार गुट में हो सकते हैं शामिल

मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चाचा शरद पवार ने भतीजे अजित पवार की एनसीपी में बड़ी सेंधमारी की है। अजित पवार को उनके ही चार टॉप नेताओं ने गच्चा दे दिया है। अजित गुट के चार बड़े नेताओं ने पार्टी को बाय-बाय कह दिया है। ये चारों नेता अब शरद पवार वाले गुट में शामिल हो सकते हैं।अजित पवार गुट छोड़ने वाले नेताओं में पिंपरी-चिंचवड इकाई के प्रमुख अजित गव्हाणे, पिंपरी छात्र इकाई के प्रमुख यश साने, पूर्व नगरसेवक राहुल भोसले और पंकज भालेकर शामिल हैं। ये सभी इस वीकेंड तक शरद पवार की गुट में शामिल होंगे। अजित की पार्टी में सेंधमारी करके चुनाव से ठीक पहले शरद पवार ने अपने सियासी पावर का परिचय दिया है।हृष्टक्क नेता अजित गव्हाणे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा, 'मैंने हृष्टक्क (अजित गुट) छोड़ दी है। मैंने पार्टी अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजित पवार गुट वाली एनसीपी के कई अन्य पदाधिकारी, पूर्व नगरसेवक और नेता भी पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं। गव्हाणे का दावा है कि ये सभी उनका समर्थन कर रहे हैं। गव्हाणे ने आगे कहा कि वह

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और अजित पवार का साथ छोड़ने के पीछे के कारणों का खुलासा करेंगे। लेकिन, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या वह शरद पवार के खेमे में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'आपको पता चल जाएगा कि मैं किस पार्टी में शामिल हो रहा हूं, मैं आज कुछ नहीं बताऊंगा।अजित गुट को बाय-बाय कहने वाले इन नेताओं की शरद पवार गुट में वापसी में कोई मुश्किल नहीं है। पिछले महीने ही शरद पवार ने कहा था कि वह उन लोगों को स्वीकार नहीं करेंगे जो उनकी पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, मगर उन नेताओं को शामिल करेंगे जो पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। इस तरह से शरद पवार ने संकेत दे दिया था कि वह अजित गुट के नेताओं को भी अपनी पार्टी में आने देने से परहेज नहीं करेंगे।

देवनानी ने साइक्लोथॉन का पोस्टर जारी किया

जयपुर ।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित होने वाली साइकिल रैली साइक्लोथॉन का पोस्टर जारी किया। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह और विधायक गोपाल शर्मा की मौजूदगी में देवनानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में चौथे हिन्दू आध्यात्मक एवं सेवा मेला, जयपुर के प्रतिनिधिगण शामिल थे। स्पीकर देवनानी को कार्यक्रम संयोजक डॉ राकेश दाधीच और डॉ. शिवम अग्रवाल ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता के लिए आयोजित की जाने वाली साइकिल रैली में 24 अगस्त को शहर के युवा भाग लेगे। यह रैली प्रातः9 बजे अमर जवान ज्योति से आरम्भ होकर अल्बर्ट हॉल पहुंचेगी।

तेल टैंकर समुद्र में पलटा,

13 भारतीयों समेत चालक दल के 16 सदस्य लापता; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली

सोमवार को ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर पलट गया। जिसमें 13 भारतीयों सहित 16 चालक दल के सदस्य सवार थे, वो सभी लापता हो गए हैं। यह जानकारी अभी सामने आई है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि यह जहाज कोमोरोस का झंडा लगा हुआ तेल टैंकर था। जो दुकम बंदरगाह शहर के पास रस मदरका से लगभग 25 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में पलट गया। समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि लापता चालक दल के सदस्यों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है।इसमें यह भी

बताया गया कि कोमोरोस के झंडे वाले तेल टैंकर का नाम प्रेस्टीज फाल्कन है। इसमें 16 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक थे। केंद्र ने बताया कि जहाज 'पानी में डूबा हुआ और उल्टा' था। हालांकि, केंद्र ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जहाज में तेल या तेल उत्पाद समुद्र में लीक हो रहे थे या जहाज पलटने के बाद स्थिर हो गया था।एलएसईजी के शिपिंग डेटा के अनुसार, तेल टैंकर अदन के यमन बंदरगाह की ओर जा रहा था और ओमान के दुकम के पास पलट गया, जो एक औद्योगिक बंदरगाह है और देश के दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तेल टैंकर 117 मीटर लंबा जहाज है, जिसे 2007 में बनाया गया था।

सिसोदिया की पदयात्रा......दिल्ली में आप के लिए क्या संजीवनी बनेगी

2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टी

नई दिल्ली ।

आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ग्रेटर कैलाश की सड़कों पर उतरकर अपनी पदयात्रा की शुरुआत की और दिल्ली के लोगों से बातचीत की। फिलहाल आप 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि उन्हें लोगों के बीच दुबारा आकर बहुत खुशी हो रही है। सिसोदिया हाल ही में तिहाड़ जेल से बाहर आए हैं, उन्हें शराब आबकारी नीति मामले में 17 महीने तक रखा गया था।ग्रेटर कैलाश की तरह ही सिसोदिया चुनावों के लिए प्रचार अभियान के तहत आने वाले दिनों में दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में मार्च निकलने वाले है। लोगों ने सिसोदिया का फूलों से स्वागत कर पोस्टर लहराए। एक व्यक्ति ने पोस्टर लहराया जिसमें सिसोदिया को शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बताया गया था। सिसोदिया के पैदल इलाके में घूमने के दौरान लगातार घोषणाएं की जा रही थीं, जिसमें उन्हें दिल्ली में शिक्षा क्रांति का जनक बताया जा रहा था।सिसोदिया ने मार्च के दौरान कई बच्चों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

उन्होंने कहा, इन छोटे बच्चों को देखिए, ये दिल्ली का भविष्य हैं।

मुझे इनके लिए काम करना है। अरविंद केजरीवाल की पूरी राजनीति इनके लिए एक बेहतर देश बनाने पर आधारित है। ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज और कई आप नेता एवं स्वयंसेवक मार्च के दौरान दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री के साथ थे।

सिसोदिया ने लिखा कि आज दिल्ली की जनता का प्यार देख मुझे यकीन हो गया हैं कि अगर तानाशाह मुझे 17 महीनों की बजाय 17 साल भी कैद रखता तब भी जनता मुझे इसी तरह प्यार करती।

उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर का आभारी हूँ जो मुझे दिल्ली की जनता के रूप में इतना खूबसूरत परिवार दिया। इस प्यार का कर्ज मैं इस जन्म में शायद ही चुका पाउं। एक और ट्वीट में उन्होंने लिखा कि पदयात्रा के दौरान आज एक बहन ने मुझे राखी बांधी। यह मेरे लिए बहुत ही भावुक पल था।

जमीन की हेराफेरी के मामले में राज्यपाल ने दी मंजूरी

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ चलेगा भ्रष्टाचार मामले में केस

नई दिल्ली।

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण भूमि घोटाले से संबंधित आरोपों के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की इजाजत दे दी है। यह फैसला आरटीआई कार्यकर्ता टीजे अब्राहम द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है।सिद्धारमैया के खिलाफ आरोप मुख्य रूप से मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा किए गए भूमि आवंटन में गड़बड़ी से संबंधित है। आरोप है कि ऐसा करके उन्होंने अपनी पत्नी पार्वती सिद्धारमैया को फायदा पहुंचाया था। हालांकि, मुख्यमंत्री पहले इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं और दावा कर चुके हैं सीएम रहते उन्होंने इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया था। सिद्धारमैया अगर अथॉरिटी की जमीन है तो वापस करके दूसरी पर्याप्त जमीन की मांग कर चुके हैं।तीन एकड़ जमीन के अधिग्रहण का केस2021 में, मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण ने विकास के लिए केसर गांव में उनकी 3 एकड़ की जमीन का अधिग्रहण की थी। बाद में मैसूर के एक रिच शहर विजयनगर में उनकी जमीनों को फिर से आवंटित किया गया। आलोचकों का दावा है कि आवंटित जमीनों का बाजार मूल्य उनकी जमीन की कीमत से काफी ज्यादा थी।आवंटन प्रक्रि या में हेराफेरी का मामलाअभियोजन की अनुमति देने से पहले राज्यपाल ने सिद्धारमैया को 26 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें उनके खिलाफ आरोपों के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया था। अब्राहम ने पार्वती को आवंटित मुआवजे वाली जमीनों को वापस लेने का भी आग्रह किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भूमि आवंटन प्रक्रिया के दौरान अवैध रूप से हेरफेर हुआ था।सिद्धारमैया पर एक और आरोप कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सिद्धारमैया के खिलाफ एक निजी आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण भूमि को पारिवारिक संपत्ति के रूप में दावा करने को लेकर डॉक्यूमेंट्स में जालसाजी का आरोप लगाया गया है। इस शिकायत की जांच के लिए अभी राज्यपाल की मंजूरी की जरूरत है। हालांकि, सीएम सिद्धारमैया ने इन आरोपों का खंडन किया है और आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खडगे ने कहा कि राजभवन का दुरुपयोग भाजपा द्वारा लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। राज्य का

संवैधानिक प्रमुख अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए संवैधानिक संकट को जन्म दे रहा है। केंद्र सरकार इसके पीछे अपनी पूरी ताकत लगा सकती है, लेकिन हम संविधान के साथ मजबूती से खड़े हैं।

आज से 24 घंटे बंद रहेंगे निजी और सरकारी अस्पताल, इमरजेंसी रहेगी चालू

कोलकाता हत्याकांड के विरोध में आईएमए ने की घोषणा

नई दिल्ली, ।

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या कांड के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल शनिवार को भी जारी रही। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी शनिवार सुबह 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक बंद की घोषणा की है। आईएमए ने कहा- कि 24 घंटे के दौरान सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सभी कामकाज बंद रहेंगे।

बता दें 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ऑन ड्यूटी पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात उसी अस्पताल में हिंसा हुई। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकीलों ने सीजेआई से एक्शन लेने की अपील की है।

राजस्थान के जोधपुर में शनिवार को रेजिडेंट डॉक्टरों के हड़ताल के चलते एमडीएम हॉस्पिटल, एम्स, महात्मा गांधी हॉस्पिटल और उम्मेद हॉस्पिटल में करीब 200 ऑपरेशन को टाल दिया गया है। हॉस्पिटल में भर्ती व इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की जिम्मेदारी सीनियर डॉक्टर्स पर आ गई है।

भोपाल में एम्स सहित मध्य प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में सैकड़ों रेजिडेंट डॉक्टरों ने काम बंद कर दिया है। इससे राज्यभर में मेडिकल सेवाओं पर असर पड़ रहा है। कई अस्पतालों में मरीजों को बिना इलाज के छोड़ दिया गया। ओपीडी और ओटी सेवाएं ठप हैं। आईएमए की हड़ताल को लेकर कर्नाटक सरकार ने सरकारी अस्पतालों के चिकित्सा अधिकारियों और सर्जनों की छुट्टियां रद्द कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित न हो, जिससे लोगों को परेशानी हो।

वहीं दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर की हड़ताल को पांच दिन हो गए हैं।दिल्ली में रोज करीब एक लाख से ज्यादा मरीजों को बिना उपचार कराए लौटना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, डॉक्टरों की काम रोको हड़ताल के चलते रोजाना करीब 300 सर्जरी भी नहीं हो पा रही हैं।

कभी ट्रैक पर बोल्डर, लोहे की राड और कभी पत्थरबाजी

नई दिल्ली

यूपी के कानपुर में शनिवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। यूपी पुलिस और आईबी मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रेलवे ट्रैक में कोई फ्रैक्चर नहीं है। इसके बाद बड़ा सवाल है कि आखिर ट्रेन की इतनी बोगियां डिरेल कैसे हुईं? ये इस तरह का पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ महीनों में देशभर में रेल हादसे आश्चर्यजनक रूप से बढ़ गए हैं। देश की ट्रेनें कहीं हादसों का शिकार हो रही हैं, कहीं पथराव की। क्या रेलवे के खिलाफ कोई साजिश या ये हादसे महज इत्तेफाक हैं? साबरमती एक्सप्रेस हादसे पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बयान सामने आया। उन्होंने कहा, साबरमती एक्सप्रेस (वाराणसी से अहमदाबाद) का इंजन कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकराया और पटरी से उतर गया। तेज चोट के निशान दिखाई दिए हैं। साक्ष्य सुरक्षित रखे गए हैं। आईबी और यूपी पुलिस जांच कर रही है। इस हादसे में यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई है। इसके अलावा लोको पायलट ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या बोल्डर इंजन से टकराया जिसके कारण इंजन का कैटल गार्ड बुरी तरह से क्षतिग्रस्त यानी मुड़ गया। इसके बाद कोच पटरी से उतर गए। सवाल यही है कि आखिर ट्रैक पर कोई वस्तु कहां से आई।पिछले साल गांधी जयंती के दिन राजस्थान में एक बड़ा हादसा होते होते टल गया। कुछ लोगों ने उदयपुर से जयपुर की तरफ जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के ट्रैक पर लोहे की रॉड और पत्थर बिछा दिए थे। गनीमत रही कि ट्रेन के लोको पायलट को इसकी भनक लग गई। जैसे ही पायलट को इसकी भनक लगी तुरंत गाड़ी को रोक दी। इसके पहले 2017 में मुरादाबाद के पास दलपतपुर स्टेशन के पास बड़ा रेल हादसा होने से बचा। यहां रेल पटरी दो हिस्सों में टूटी मिली। सुबह जब ट्रैकमैन जांच करने पहुंचा तब इसकी सूचना की। आनन-फानन में यहां से गुजरने वाली ट्रेनों को रोका गया। इसके अलावा ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले साल वंदे भारत एक्सप्रेस पर कुछ अज्ञात लोगों ने पथराव किया। पत्थरबाजी की इस घटना में वंदे भारत ट्रेन की खिड़की के कांच टूट गए। ट्रेनों पर पत्थरबाजी की ये पहली घटना नहीं है। पिछले साल जनवरी से अक्टूबर तक ट्रेनों में पत्थर फेंकने की करीब 300 घटनाएं सामने आईं।

जयपुर में स्कूटी सवार के साथ युवकों ने की मारपीट, मौत के बाद तनाव

घटना से गुस्साए लोगों ने दिया धरना, पुलिस ने की शांति की अपील

जयपुर, ।

राजस्थान में उदयपुर के बाद जयपुर में भी तनाव हो गया है। यहां ई-रिक्शा सवार युवकों ने स्कूटी सवार की जमकर पिटाई कर दी, जिससे बाद में उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और वे धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे लोगों ने समुदाय विशेष के युवकों को गिरफ्तार करने की मांग की।जानकारी के मुताबक घटना शास्त्री नगर इलाके की स्वामी बस्ती में देर रात हुई है। यहां एक स्कूटी सवार युवक कहीं जा रहा था। इसी दौरान ई-रिक्शा पर सवार युवकों ने उसे रोक लिया और विवाद करने लगे। युवकों ने स्कूटी सवार को बेरहमी से पीटा। इससे वह घायल हो गया। घटना के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी जब लोगों को मिली तो लोग जमा हो गए और सड़क पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों का कहना है कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने इस पूरे मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है, इसके साथ लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।बता दें कि उदयपुर में शुक्रवार को सरकारी स्कूल के दो छात्रों में विवार हो गया था। इसके बाद बवाल के बीच हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शॉपिंग मॉल में तोड़फोड़ कर दी थी और जमकर पथराव किया था। आक्रोशित भीड़ ने कारों को आग लगा दी। शाम तक पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसके बाद कलेक्टर ने शहर में धारा-163 लागू कर दी। शहर के हर संवेदनशील इलाकों में पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। प्रशासन की शांति बहाली की कोशिशों के बावजूद देर रात दो पक्षों के बीच पथराव हो गया। इसके बाद पुलिस ने मौजूद लोगों को खदेड़ दिया।

बिहार में नदियों में बढ़ा प्रदूषण........एनजीटी ने लगा दी फटकार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बिहार में प्रदूषित नदी क्षेत्र के बढ़ने का उल्लेख कर अपर्याप्त सीवेज शोधन सुविधाओं को लेकर सख्त कार्रवाई नहीं करने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। हरित अधिकरण बिहार में गंगा सहित विभिन्न नदियों के प्रदूषण को लेकर प्रकाशित खबर का स्वतः संज्ञान लेने के बाद शुरू किए मामले की सुनवाई कर रहा था। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने पिछले सप्ताह पारित आदेश में कहा था कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नौ अगस्त को एक रिपोर्ट दाखिल की थी। मौजूदा सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) की क्षमता का उपयोग एक मुद्दा बना हुआ है और कुछ स्थापित बुनियादी ढांचे को अभी तक चालू नहीं किया गया है।पीठ में न्यायिक सदस्य अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से पता चला है कि बिहार में नदियों के प्रदूषित क्षेत्रों का रकबा समय के साथ बढ़ा है। न्यायाधिकरण ने अपनी नाराजगी जाहिर कर कहा, बिहार में कोई उचित सीवेज उपचार सुविधा मौजूद नहीं है और पर्याप्त एसटीपी नहीं हैं तथा प्रदूषित हिस्सों का क्षेत्रफल भी बढ़ रहा है, लेकिन एनएमसीजी द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 25 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया गया है।

आंदोलन कर रहे डॉक्टर्स का समर्थन कर रहे 42 प्रोफेसर्स और डॉक्टर्स का तबादला

प्रदर्शनकारियों ने ममता सरकार के निर्णय को साजिश बताया

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में 42 प्रोफेसर्स और डॉक्टर्स का ट्रांसफर किया गया है। आरोप है कि जो सीनियर डॉक्टर्स आंदोलन कर रहे थे और डॉक्टर्स का समर्थन कर रहे थे, उन्हीं का ट्रांसफर हुआ। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह एक साजिश है। बंगाल गवर्नमेंट हेल्थ विभाग ने यह ट्रांसफर किया है। प्रदर्शनों के बीच ममता सरकार ने राज्य भर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में कार्यरत 42 प्रोफेसरों और डॉक्टरों की सेवाओं में फेरबदल किया है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने तबादलों के पीछे साजिश होने का संदेह जताया है। जिन 42 प्रोफेसरों और डॉक्टरों की सेवाओं में फेरबदल हुआ है। उसमें आरजी कर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के दो प्रोफेसर और डॉक्टर भी शामिल हैं। बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने यह साफ नहीं किया है कि ये तबादले क्यों किए गए हैं। आरजी कर हॉस्टिपटल में तैनात डॉ. संगीता पॉल और डॉ. सुप्रिया दास का ट्रांसफर कर उन्हें दूसरी जगह भेजा गया है। प्रदर्शनकारी डॉ. किंजल नंदा ने कहा, वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉक्टरों का तबादला कर दिया गया .. जो लोग हमारे विरोध का समर्थन कर रहे थे उनका तबादला किया गया।

पीडीए अपराधी को छिपाने का मुखौटा :सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली ।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए परिवारवादियों, दबंगों और अपराधियों को छिपाने का मुखौटा है। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा दिया था जिसमें पी पिछड़े, डी दलित और और ए अल्पसंख्यक के लिए है क्योंकि ये वर्ग पार्टी के लिए वोट के आधार है। त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में मीडया से कहा पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा देने वाले अखिलेश यादव से मैं कहना चाहता हूं कि पीडीए मुखौटा है और इनका असली चेहरा परिवारवादी, दबंग और अपराधी है। यह समाजवादी पार्टी का असली चेहरा है।भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि दबंग और अपराधी की मदद से परिवारवादी के लिए सत्ता हासिल करना ही सपा का असली डीएनए है। त्रिवेदी ने अयोध्या में एक नाबालिग के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना का जिक्र किया जिसे भाजपा नेता सपा का हाथ होने का दावा करते हैं। उन्होंने सपा के एक पूर्व सदस्य द्वारा नाबालिग लड़की के साथ कथित बलात्कार की कोशिश का मामले का जिक्र किया। भाजपा नेता ने कोलकाता में मेडिकल छात्रा के साथ कथित बलात्कार और हत्या के हालिया मामले का जिक्र किया। त्रिवेदी ने कहा कि एक खास मानसिकता ने आपराधिक तत्वों को ऐसी घटना के बाद घटनास्थल पर तोड़फोड़ कर साजिश के तहत सबूतों को नष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में युवाओं की नई फौज खड़ी करेगी भाजपा

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा का चुनाव यहां से नहीं लड़ा था। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एक नई रणनीति तैयार की है। जम्मू कश्मीर की राजनीति कुछ ही परिवारों के हाथ में है। भारतीय जनता पार्टी 25 से 40 वर्ष के युवा जो किसी भी राजनीतिक परिवार से नहीं जुड़े होंगे। उनके युवा और युवतियों को चुनाव मैदान में उतारकर, परिवारवादी नेताओं को चुनौती देगी। भाजपा प्रत्येक विधानसभा चुनाव में एक प्रभारी नियुक्त करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है, इस बार पार्टी कश्मीर घाटी में भी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अनुभवी नेताओं की एक टीम तैयार की है। जो घाटी की संस्कृति के अनुसार चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेगी। केंद्र सरकार की योजनाओं का जो लाभ जम्मू कश्मीर में दिया गया है। उसका प्रचार प्रसार करेगी। जम्मू कश्मीर की राजनीति में परिवार वादियों के मुकाबले एक नई फौज भाजपा खड़ी करने जा रही है। जो पूरी तरह से युवा होगी।

लालू यादव विदेश दौरे पर जाएंगे

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव फिर विदेश दौरे पर सिंगापुर जाएंगे। वे गुरुवार सुबह अपनी पत्नी एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली में उनका रूटीन हेल्थ चेकअप होगा। इसके बाद वहां से सिंगापुर के लिए रवाना होंगे। सिंगापुर में उनका रूटीन चेकअप किया जाएगा। बता दें कि दिसंबर 2022 में लालू का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था।उनकी बेटी रोहिणी आचार्या अपने पति एवं बच्चों के साथ सिंगापुर में रहती हैं। रोहिणी ने अपने पिता को किडनी दान की थी। इसके बाद इस साल हुए लोकसभा चुनाव में रोहिणी ने सक्रिय राजनीति में एंट्री की और सारण सीट से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा। हालांकि राजीव प्रताप रूडी से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव खत्म होने के बाद वे वापस सिंगापुर लौट गईं लेकिन उन्होंने जल्द ही सारण आने की बात कही है।5 दिसंबर 2022 को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। यह सर्जरी सफल हुई थी। इसके बाद कुछ महीनों तक लालू ने घर में रहकर आराम किया एवं डॉक्टरों की सलाह पर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। अब लालू यादव स्वस्थ हैं हालांकि डॉक्टर्स ने उन्हें समय-समय पर रूटीन चेकअप की सलाह दी है। इसी सिलसिले में वे फिर से सिंगापुर जा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित टैक्स घटाया

नई दिल्ली, । केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित टैक्स को 4,600 रुपए प्रति टन से घटाकर 2100 रुपए प्रति टन कर दिया है। यह टैक्स शनिवार से प्रभावी हो गया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा है। आधिकारिक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि नई दरें 17 अगस्त शनिवार से लोगू हो गई हैं। भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया, जिससे वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। हर पखवाड़े पिछले दो सप्ताह में औसत तेल कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा की जाती है।

17 अगस्त को खींची थी भारत-पाकिस्तान के विभाजन की लकीर

नई दिल्ली, । आजादी मिले दो दिन ही गुजर चुके थे और करोड़ों लोग असमंजस में थे कि वह भारत में रहे या पाकिस्तान में। 17 अगस्त 1947 को दोपहर बाद विभाजन आयोग के अध्यक्ष सर सिरिल रेडक्लिफ ने विभाजन की लकीर खींचने का ऐलान किया। विभाजन के दौरान अमृतसर, फिरोजपुर और गुरदासपुर पर पाकिस्तान का दावा पुख्ता था, लेकिन लॉर्ड माउंटबेटन के एक लंच ने बाजी पलट दी। दूसरी तरफ सिख बहुल लाहौर करीब भारत का ही था, लेकिन रेडक्लिफ के एक ख्याल ने उसे पाकिस्तान को दे दिया।भारत के आखिरी वायसराय लार्ड माउंटबेटन को भारत-पाकिस्तान का बंटवारा कराना था। उनके सामने समस्या थी कि बॉर्डर कौन बनाएगा? माउंटबेटन ने कई लोगों के नाम पर विचार किया, लेकिन उन्होंने सर सिरिल रेडक्लिफ को चुना। रेडक्लिफ उस समय इंग्लैंड के सबसे अच्छे जजों में शुमार थे। उन्होंने इससे पहले कभी ये काम नहीं किया था। उन्होंने कभी किसी देश की सीमा बांटने के बारे में नहीं सोचा था। इससे पहले वे कभी भारत भी नहीं आए थे। जब कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि वह आदमी जिसने भारत देखा भी नहीं है, वह बंटवारा कैसे कर सकेगा। तब ब्रिटिश सरकार ने जवाब दिया कि ये बुराई नहीं अच्छाई है, जो कभी भारत नहीं आया वह निष्पक्षता से बिना भेदभाव के बंटवारा करेगा।

बिहार में फिर गिरा पुल, सुलतानगंज-अगुवानी के बीच बन रहा था फोरलेन पुल

सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सवालों के घेरे में, कुछ महीनों में ही होना था चालू

भागलपुर, ।

बिहार के भागलपुर के सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर फिर धराशायी हो गया। घटना के बाद बिहार सरकार का ये खास प्रोजेक्ट अब सवालों के घेरे में आ गया है। पुल बनाने वाली कंपनी अगले कुछ ही महीनों में इसे चालू करने का दावा कर रह थी। ऐसे में ये पुल चालू हो जाता तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।शनिवार सुबह के करीब 7 बजे कुछ ही सेकेंड में यह पुल नदी में भरभरा कर गिर गया। करोड़ों की लागत से बन रहा यह पुल गंगा नदी में समा गया। वहीं नीतीश सरकार सालों से विकास के जो दावे करती आ रही है, उस पर अब सवाल उठने लगे हैं।बता दें, यहां पर पुल गिरने की घटना यह तीसरी बार हुई है। पहली घटना 30 अप्रैल 2022 को सुबह हुई थी जब पाया संख्या 4 और 6 को जोड़ने वाली करीब 36 सेंगमेंट हवा के झोंके में तास के पत्ते की तरह बिखर गई। दूसरी बार 5 जून 2023 की शाम करीब 6 बजे पाया संख्या 11,12,13 को जोड़ने वाले सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गए। यह तीन साल में तीसरी घटना है। वहीं तीसरी बार जब आज शनिवार को पाया संख्या 9 का सुपर स्ट्रक्चर एक बार फिर गिर गया। बता दे 1750 करोड़ की लागत से सुल्तानगंज-अगुवानी के बीच गंगा नदी पर बन रहे इस पुल का निर्माण एसपी सिंघला कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। कंपनी का कहना था कि वह अगले साल तक पुल चालू कर देगी लेकिन अब पुल गिरने की घटना ने कंपनी के निर्माण कार्य पर ही सवालिया निशान लगा दिया है।

वहीं इस मामले में पुल निर्माण निगम ने सफाई दी है। निगम ने कहा है कि जो स्ट्रक्चर गिरा वह पहले क्षतिग्रस्त भाग का ही हिस्सा था। सभी को हटाने के निर्देश दिए थे। हटाने के चलते क्षतिग्रस्त भाग का एक हिस्सा गिर गया।

गंगा में बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण एक हिस्सा गिरा है।

यहां कोई नया कार्य नहीं कराया जा रहा था।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने की हड़ताली डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील

सुरक्षा को लेकर कमेटी गठन का किया वादा

नई दिल्ली

कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने शनिवार को देशभर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में 24 घंटे हड़ताल बुलाई है। आईएमए ने कहा कि आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी और कैजुअल्टी वॉर्ड चालू रहेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने व्यापक जनहित में तथा डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखकर आंदोलनकारी डॉक्टरों से अपनी ड्यूटी पर लौटने का अनुरोध किया है। अभी तक डॉक्टरों की ओर से अनुरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय सुझाने के लिए एक समिति गठित होगी। कोलकाता में 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर से हुई बर्बरता और हैवानियत के बाद इंसाफ और न्याय की गूंज देश के हर कोने में और तेज होती जा रही है। शहर-शहर, सड़क-सड़क डॉक्टर अपने साथी के साथ रेप और हत्या के बाद इंसाफ मांग रहे हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉक्टर के बलात्कार और हत्या तथा उसके बाद हुई तोड़फोड़ के विरोध में शनिवार को देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है।

25 साल में पहली बार गाजा में मिला पोलियो का संक्रमण, युद्ध विराम की मांग

गाजा। गाजा में हमास और इजराइल युद्ध के बीच सालों बाद गाजा में पोलियो का पहला मामला सामने आया है। दीर अल-बलाह शहर में दस माह के एक बच्चे में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे में पोलियो के लक्षण दिखाई देने के बाद जांच की गई, जिसमें संक्रमण पाया गया। इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक नहीं पिलाई गई थी। यह संक्रमण आमतौर पर पांच साल के कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है और यह दूषित जल आदि से फैलता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ऐसे देश हैं, जहां पोलियो का संक्रमण आज तक नहीं थमा। डब्ल्यूएचओ ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध विराम की मांग की है, ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल में पोलियो का वायरस मिला था। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक क्षेत्र पिछले 25 सालों से पोलियो मुक्त है।

रुस और भारत वैश्विक मंच पर गहन सहयोग की तलाश रहे संभावनाएं

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार एंटोन कोब्याकोव ने रूस में भारतीय राजदूत विनय कुमार से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोब्याकोव को एक टीवी चैनल पर यह कहते सुना गया है कि भारत और रूस व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान, निवेश, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण में समान स्तर पर सहयोग करते हैं। खास बात यह है कि समेकन संधि के ढांचे के भीतर परस्पर सहयोग को भी मजबूत किया जा रहा है। इसका संप्रभु बहुध्रुवीय विश्व के गठन के लिए खास महत्व है। रिपोर्ट में कोब्याकोव और कुमार के बीच वार्ता का विषय द्विपक्षीय संबंधों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ाना था। दोनों नेताओं ने कज़ान में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और मॉस्को में ब्रिक्स व्यापार मंच में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी पर भी बातचीत की। ये अक्टूबर 2024 में होना है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 माह तक सिख महिला से बलात्कार, दोनों आरोपी भाईयों ने महिला के बेटे को कैद करके रखा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 माह तक सिख महिला के साथ दरिंदगी की घटना सामने आई है। दो लोगों ने 40 वर्षीय पाकिस्तानी सिख महिला को अगवा किया था। इसके बाद दोनों ने नौ माह तक महिला के साथ गैंगरेप किया। घटना लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले की है। अपहरणकर्ता महिला के नाबालिग बेटे को भी साथ ले गए थे। पुलिस ने दावा किया कि सिख महिला और उसके नाबालिग बेटे को बचाया गया है। इसके साथ ही महिला का अपहरण करने वालों को भी गिरफ्तार किया गया है। फैसलाबाद में तैनात पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि सिख महिला ननकाना साहिब की रहने वाली है। महिला को फैसलाबाद के दो भाइयों ने बंधक बनाकर रखा हुआ था। दोनों आरोपियों की पहचान खुर्रम शहजाद और किज शहजाद के रूप में हुई है। दोनों ने महिला के साथ नौ महीने तक बार-बार बलात्कार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला तलाकशुदा है। महिला की एक सहेली साइमा ने कुछ साल पहले आरोपी खुर्रम से मिलवाया था। पिछले साल दिसम्बर में उसने खुर्रम से अपने नाबालिग बेटे को ननकाना साहिब से फैसला में अपनी बहन के घर छोड़ने के लिए कहा, लेकिन आरोपी ने लड़के को बंधक बनाकर महिला को अपने घर आने के लिए मजबूर किया। इसके बाद पीड़ित महिला को दोनों को बंधक बनाया और नौ महीने तक अपने भाई के साथ महिला से बार-बार बलात्कार किया। पुलिस ने महिला के रिश्तेदार की शिकायत पर जांच शुरू की और 14 अगस्त को खुर्रम के घर छापा मारकर महिला और बेटे को बरामद किया। सिख महिला ने बताया कि बलात्कार का विरोध करने पर उसके साथ प्रताड़ना की गई।

इंडिया डे परेड : अयोध्या के राम मंदिर झांकी को लेकर अमेरिका में विवाद

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क में होने वाली इंडिया डे परेड में अयोध्या में नए बने राम मंदिर की झांकी तैराने की योजना है। इसको लेकर वहां के कुछ संगठनों ने ऐतराज जताया है और इसे एंटी मुस्लिम बताया है। इसको लेकर न्यूयॉर्क के मेयर को चिट्ठी भी लिखी गई है और कहा गया है कि मंदिर तैराने की योजना को इवेंट से हटा दिया जाए। इस पत्र में कहा गया है कि राम मंदिर की अनुकृति को तैराना मुस्लिम विरोधी होगा। इतना ही नहीं, संगठनों ने यह भी कहा कि ऐसा करना मस्जिद के गिराने की घटना को ग्लोरीफाई करना होगा। पत्र लिखने वाले संगठनों में अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस काउंसिल, इंडियन अमेरिका मुस्लिम काउंसिल और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स हैं। पत्र में कहा गया है कि झांकियों की मौजूदगी इन समूहों की हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा को भारतीय पहचान से मिलाने की इच्छा को दिखाती है। लेकिन भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। बता दें कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। देश और दुनिया में बसे श्रद्धालु भगवान राम के दर्शन के लिए आ रहे हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स और गवर्नर केथी होचुल को लिखे पत्र में कुछ संगठनों ने आपत्तियां उठाई हैं। वहीं, झांकी का आयोजन कर रही अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि यह एक हिंदू पूजा स्थल का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उद्देश्य भारतीय और हिंदू पहचान के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखे जाने वाले देवता का महिमामंडन करना है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कवायद है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स ने कहा कि परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें विभिन्न समुदायों की झांकियां शामिल होंगी। एडम्स ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि नफरत के लिए कोई जगह नहीं है।

अरे बाबा.....इस महिला की आंखें नहीं एक्सरे मशीन, शरीर के अंदर देख लेती

लंदन । दुनियाभर में कई लोग हैं, जो अद्भुत शक्तियों के मालिक हैं। इनमें से कोई पूरा का पूरा हवाई जहाज खा लेता है और उसके शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, किसी का शरीर चुंबक जैसा होता है, जिससे लोहे की चीजें अपने आप चिपक जाती हैं। ऐसी ही एक शख्स रशियन गर्ल नताशा डेमकिना हैं, जो अब 37 साल की हैं। नताशा को लेकर दावा किया गया है कि उनकी आंखों में एक्स-रे विजन है। यानी कि वे अपनी खुली आंखों से किसी के भी शरीर के अंदर देख सकती हैं और बीमारियों को पहचान सकती हैं। हालांकि, नताशा ने जब एक्सरे विजन का दावा किया तब उनकी बातों पर किसी को यकीन नहीं था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे लंदन, न्यूयॉर्क और जापान के डॉक्टर और वैज्ञानिकों ने उसके इस प्रतिभा पर सहमती व्यक्त कर दी। नताशा ने कहा था कि मैं जो भी देखती हूं, उसे समझने में थोड़ा समय लेती हूं। मैं एक्सरे की तरह ज्यादा तेजी से काम नहीं करती, लेकिन बीमारी की सही पहचान कर लेती हूं। नताशा ने दावा कि वे किसी बीमारी के शुरुआती स्टेज को भी पहचान जाती हैं, जिसे चिकित्सक भी जल्द नहीं पकड़ पाते। नताशा के अनुसार 10 साल की उम्र तक वे एक सामान्य बच्ची थीं, तब तक उनके अंदर एक्स-रे विजन नहीं था। लेकिन बाद उनके अंदर ये गुण आने शुरू हो गए। डॉक्टर नताशा के एक्सरे विजन की बार-बार परीक्षा लेते और वे उसकी पहचान कर उन्हें गलत साबित करतीं। डॉक्टरों ने नताशा को कृत्रिम घुटने को पहचानने के लिए कहा, जिसे उन्होंने पहचान लिया।

टोरंटो में कनाडाई नेशनल एक्सहीबिशन सेंटर में एक कार्यक्रम में पहुंचे लोग।

तहव्वुर हुसैन राणा को झटका.....भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई आतंकी हमले में शामिल पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर हुसैन राणा को बड़ा झटका दिया है। कैलिफोर्निया अदालत ने फैसला सुनाकर कहा कि हुसैन को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

कोर्ट ने खारिज की अपील- अमेरिकी अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में कहा, भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को प्रत्यर्पित करने की अनुमति है। 63 वर्षीय राणा ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैसले को चुनौती देकर अमेरिका के अपीलीय न्यायालय में याचिका दायर की थी।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने प्रत्यर्पण की दी थी इजाजत- कोर्ट ने अब याचिका को खारिज कर दिया। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसला दिया था कि आतंकवादी हमलों में उसकी कथित भागीदारी के लिए राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

आतंकी डेविड हेडली के साथ संबंध- वर्तमान में लॉस एंजिल्स जेल में बंद राणा पर 26/11 के मुंबई हमले में शामिल होने के आरोप हैं। उसके पाकिस्तानी-अमेरिकी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली के साथ संबंध माने जाते हैं। हेडली को कई आतंकवादी घटनाओं का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। प्रत्यर्पण आदेश की बंदी प्रत्यक्षीकरण समीक्षा के सीमित दायरे के तहत, पैनल ने माना कि राणा का कथित अपराध अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आता है, जिसमें प्रत्यर्पण के लिए नॉन बिस इन आइडेम (दोहरा खतरा) अपवाद शामिल है।

सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं इतना कहते ही मचा बवाल

तुर्की संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसद भिड़े, चले लात और मुक्के

अंकारा, (एजेंसी)। तुर्की की संसद में तीखी बहस के बाद सत्तारूढ़ एकेपी पार्टी के सदस्यों और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद का कारण विपक्षी सांसद की ओर से अपने सहयोगी को सदन में बुलाने की मांग था, जो सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण जेल में बंद है लेकिन एक सांसद चुने जाने के बाद भी जेल में बंद हैं। वर्कर्स पार्टी ऑफ तुर्की (टीआईपी) के सदस्य अहमत सिक ने अपने सहयोगी कैन अटाले की रिहाई की मांग की। संसद में हुई इस मारपीट के वीडियो में दिख रहा है कि सत्ताधारी एकेपी पार्टी के सांसद मुक्का मारने के लिए दौड़ रहे हैं। दर्जनों लोग इस मारपीट में शामिल हो गए। कुछ दूसरों को रोकने की कोशिश कर रहे थे। मारपीट के बाद संसद की सफेद सीढ़ियों पर खून बिखरा दिख रहा है।

बता दें जेल में होने के बावजूद अटले को मई 2023 में सांसद चुना गया था। संसद ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी, लेकिन एक अगस्त को संवैधानिक कोर्ट ने उनके निष्कासन को अमान्य घोषित कर दिया। सत्र के दौरान सिक ने एक तीखा भाषण देते हुए सत्तारूढ़ एकेपी पर आरोप लगाया कि वह अपने विरोधियों को आतंकी बताते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आश्चर्य नहीं है कि आप कैन अटाले को आतंकी कहते हैं। आप हर उस व्यक्ति को आतंकी कहते हैं जो आपका पक्ष नहीं लेता है।

सिक ने कहा कि सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं। उनके इतना कहते ही एकेपी सांसद भड़क गए और उन्होंने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। झड़प के बाद डिप्टी पार्लियामेंट स्पीकर ने संसद स्थगित कर दी। तीन घंटे से ज्यादा के ब्रेक के बाद सत्र फिर शुरु हुआ। तब इसकी अध्यक्षता संसद अध्यक्ष ने की। संसद ने एक वोट में सिक को एकेपी के खिलाफ उनके बयान के लिए और एकेपी के अलपे ओजलान को सिक पर हमले के लिए फटकार लगाई। मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी के नेता ओजगुर ओजेल ने कहा कि सांसदों ने महिलाओं को भी मुक्का मारा जो की शर्मनाक है।

यूनुस ने पीएम मोदी से कहा... हिंदुओं पर हमलों की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच यह पहली बातचीत है। बांग्लादेश सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार प्रोफेसर यूनुस ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से बात की। मुख्य सलाहकार ने बांग्लादेश सरकार के मुखिया के रूप में उनके शपथ ग्रहण के बाद बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के साथ हुई हिंसा के मामले पर भी जानकारी दी।

यूनुस ने पीएम मोदी से कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। इसके लिए उन्होंने स्थिति को जांचने के लिए भारतीय पत्रकारों को देश का दौरा करने के लिए और मौके से घटना की रिपोर्टिंग करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाने पर अंतरिम सरकार के मुखिया यूनुस ने कहा कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों सहित देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति नियंत्रण में है और देश में जनजीवन सामान्य हो रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित हो रही तीसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में शामिल होने के लिए यूनुस को आमंत्रित किया। मुख्य सलाहकार यूनुस ढाका से वर्चुअली सम्मेलन में शामिल होने वाले है।

पाकिस्तान को लेकर योगी ने ऐसा क्या कहा......पूरे देश में मच गई हलचल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान ने पाकिस्तान ने हलचल मचा दी है। योगी ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के मौके पर कहा था कि पाकिस्तान का या तो भारत में विलय होगा या फिर हमेशा के लिए इतिहास से समाप्त होगा। योगी ने महर्षि अरविंद के साल 1947 में दिए गए बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का आध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। योगी के बयान पर भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने प्रतिक्रिया दी है। बासित ने पाकिस्तान के खत्म होने की भविष्यवाणी का विरोध कर कहा कि उनका देश बना रहेगा। हालांकि, बासित को योगी के बयान का मतलब ही समझ नहीं आया और ये बात उन्होंने खुद स्वीकार की। बासित ने इस्लाम को पाकिस्तान का सबसे बड़ा आधार बताया। बासित ने कहा कि योगी कह रहे हैं कि पाकिस्तान का आध्यात्मिक जगत में अस्तित्व नहीं है। बल्कि, हमारे देश का आधार ही इस्लाम है। यह आध्यात्मिक ही है। मुझे नहीं समझ पाता कि महर्षि अरविंद ने विचार कहां से लिया और अब विचार को योगी ने दोहराया है। पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक ने योगी आदित्यनाथ के बयान को अफसोसजनक बताया था।

स्वीडन अपने ही नागरिकों को देश छोड़ने के पैसे देगा

-बड़ों को 80 हजार, बच्चों को 40 हजार मिलेंगे

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन ने अपने ही देश के नागरिकों को देश छोड़ने के लिए ऑफर दिया है। स्वीडन की इमीग्रेशन मिनिस्टर मारिया माल्मर स्टेनगार्ड ने ये प्रस्ताव पेश किया है। स्टेनगार्ड ने कहा कि जिन्हें स्वीडन की संस्कृति पसंद नहीं है या फिर वे लोग जो यहां घुलमिल नहीं पाए हैं वे स्वीडन छोड़ सकते हैं। स्वीडन में अभी भी देश छोड़ने पर पैसे दिए जाते हैं। पहले विदेश से आकर स्वीडन में बसने वाले नागरिकों पर ही ये नियम लागू होता था, लेकिन नए प्रावधान के तहत जन्मजात नागरिकों पर भी ये नियम लागू होगा।

मौजूदा नियमों के मुताबिक यदि कोई स्वीडिश नागरिक देश छोड़ता है तो उसे 10 हजार स्वीडिश क्रोन (80 हजार रुपए) मिलते हैं। बच्चों को देश छोड़ने पर 40 हजार रुपए मिलते हैं। इसके अलावा उन्हें किराए के पैसे भी मिलते हैं। ये पैसा उन्हें एक बार में ही देश छोड़ने से पहले मिल जाता है।

50 सालों में पहली बार देश छोड़ने वाले लोग बढ़े

नए प्रस्ताव के मुताबिक, अब इसमें देश के सभी नागरिकों को शामिल किया जाएगा। देश छोड़कर जाने वालों को और अधिक पैसे देने और इसे बढ़ाकर 14,800 डॉलर (करीब 12 लाख रुपए) करने पर विचार हुआ था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। सरकार का कहना है कि अगर देश छोड़ने पर पैसे बढ़ाए गए तो इससे संदेश जाएगा कि स्वीडन लोगों को पसंद नहीं करता। हैरानी की बात ये है कि स्वीडन में ये प्रस्ताव तब पास हुआ है जब देश छोड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है।

कारोबारी व्यापार शुरु करने शहबाज सरकार पर बना रहे दबाव, भारत नहीं दे रहा भाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को भारत भाव नहीं दे रहा है जिससे शहबाज सरकार बौखला गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत के साथ कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं हो रही है। फिर चाहे यह पर्दे के पीछे से हो या आमने सामने से। भारत के साथ यापार को फिर से बहाल करने पर भी कोई बातचीत नहीं हो रही है। इससे पहले नवाज शरीफ से लेकर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ तक भारत से फिर से बातचीत शुरू करने के लिए कहा जा चुका है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि भारत में मोदी के तीसरी बात पीएम बनने के बाद बातचीत शुरू होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पाकिस्तान के कई कारोबारी कह चुके हैं कि भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू किया जाए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने धारा 370 का मुद्दा उठाया और मांग की कि भारत इसे बहाल करे। उन्होंने कहा कि भारत के धारा 370 खत्म करने के बाद ही उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बंद किया है। उन्होंने कहा कि यह हालात अभी भी वैसे ही बने हुए हैं। बलोच ने कहा कि इस समय भारत के साथ व्यापार को फिर से बहाल करने को लेकर कोई बातचीत नहीं हो रही है।

वहीं भारत ने कहा है कि जब तक कश्मीर में आतंकवादियों को पाकिस्तान भेजना बंद नहीं करता है, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच फरवरी 2021 में सीजफायर समझौता हुआ था जो अभी तक है। पाकिस्तानी की ओर से भेज आतंकियों ने इन दिनों जम्मू और कश्मीर में काफी हमले किए हैं। इन हमलों में कई जवान शहीद हो गए हैं।

बलोच ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और दुनियाभर के देशों से मांग की कि वे कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा। इससे पहले नवाज शरीफ ने भी पीएम मोदी को बधाई देते हुए शांति की बात कही थी। वहीं आतंकियों के हमले के बीच भारत ने कड़ा जवाब देना जरुरी समझा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पिछले दिनों इशारों में भारत को धमकी दी थी।

हमास ने संघर्ष विराम के प्रस्ताव को खारिज किया... बाइडेन की कटूनीति पर फिरा पानी

गाजा (एजेंसी)। हमास ने कहा कि गाजा में संघर्ष विराम के प्रस्ताव में नई शर्तों को खारिज कर दिया है, जिसे कतर में दो दिनों की वार्ता के दौरान अमेरिकी नेतृत्व वाले मध्यस्थों ने पेश किया था। 10 माह से जारी युद्ध में झेली गई पीड़ा को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास अब तक विफल रहे हैं, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वार्ता के नवीनतम दौर पर कहा कि हम पहले से कहीं ज्यादा करीब हैं। विदेश विभाग ने कहा कि वह नवीनतम प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सप्ताहांत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को इजरायल भेज रहे हैं।

मिस्र, कतर और अमेरिकी मध्यस्थ मई में बाइडेन द्वारा शुरू में रेखांकित किए गए ढांचे के विवरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कहा कि इजरायल ने प्रस्तावित किया था। एक संयुक्त बयान में, मध्यस्थों ने कहा कि उन्होंने दोनों पक्षों को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जो शेष अंतराल को पाटता है और आने वाले दिनों में मानवीय प्रावधानों और बंधक-कैदियों की अदला-बदली पर बारीकियों को सुलझाने के लिए काम करना जारी रखेगा। एक त्वरित सौदे को सुरक्षित करने के उद्देश्य से वार्ता अगले सप्ताह के अंत से पहले काहिरा में फिर से शुरू होने वाली है। हमास, जो दोहा वार्ता में शामिल नहीं हुआ था, ने नवीनतम योजना में इजरायल की ओर से नई शर्तों के विरोध की घोषणा की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्यस्थों से हमास पर बाइडेन के ढांचे को स्वीकार करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया। ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा इजरायल पर हमला करने की धमकियों ने गाजा युद्धविराम को समाप्त करने के प्रयासों में नई तत्परता ला दी है, मध्यस्थ व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने की उम्मीद में एक समझौते की मांग कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने चेतावनी दी, क्षेत्र में किसी को भी इस प्रक्रिया को कमजोर करने के लिए कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

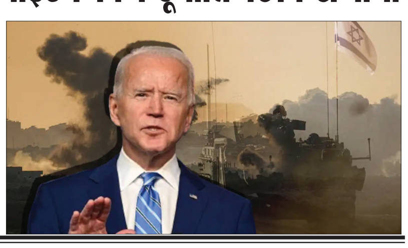

संपादकीय

जनादेश का समय

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के साथ ही हरियाणा राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही खासकर जम्मू-कश्मीर में चुनाव की ज्यादा प्रतीक्षा हो रही थी। वहां चुनाव को ज्यादा समय तक टालना अब संभव नहीं था, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव के लिए 30 सितंबर की समय-सीमा खींच रखी थी, अतः अब तीन चरणों में मतदान के साथ चुनाव की घोषणा का स्वागत होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में 18, 25 सितंबर और 1 अक्तूबर को मतदान होंगे, जबकि हरियाणा में एक ही चरण में 1 अक्तूबर को मत डाले जाएंगे और नतीजे 4 अक्तूबर को आ जाएंगे। गौर करने की बात है कि पिछले दिनों मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने इन दोनों प्रदेशों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि कश्मीर में लोग चुनाव में भाग लेने को लालायित हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा भी है, 'हमने लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में लोगों की लंबी कतारें देखी हैं, जिससे पता चलता है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहते हैं और बुलेट के बजाय बैलेट को प्राथमिकता देते हैं।' जम्मू-कश्मीर में 87.09 लाख मतदाता 11,800 से अधिक मतदान केंद्रों पर वोट डालेंगे। इस बार मतदान का प्रतिशत अच्छा रहने की संभावना है। कश्मीर में माहौल बदला है और ज्यादा से ज्यादा लोग मुख्यधारा में आ रहे हैं। विगत दिनों से आतंकियों ने जिस तरह से हिंसा का सिलसिला चला रखा है, उससे भी पता चलता है कि आतंकी नहीं चाहते कि चुनाव हो और हालात सुधरे। कश्मीर में लोगों ने अगर लोकतंत्र को मजबूत कर दिया, तो फिर आतंकवाद को मुंह छिपाने की जगह नहीं मिलेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने विश्वास जताया है कि जम्मू-कश्मीर के लोग विघटनकारी ताकतों को उचित जवाब देंगे। चुनाव आयोग की दृढ़ता सराहनीय है। वहां चुनाव कराने में किसी भी तरह के भय की जरूरत नहीं है और सुरक्षा के तमाम जरूरी इंतजामात रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। आयोग ने साफ कर दिया है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए किसी भी आंतरिक या बाह्य दखल को मंजूरी नहीं दी जाएगी। कोई शक नहीं कि चुनाव से भी जरूरी काम कश्मीर में सुरक्षा बहाल रखना है। सुरक्षा एजेंसियों को अपनी खुफिया ताकत का इस्तेमाल करना चाहिए। हिंसा होने के बाद नहीं, बल्कि हिंसा होने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियां मुंहतोड़ जवाब दें। अब राजनीतिक पार्टियों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है और लोगों को भी हिंसा के विरुद्ध पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर को जून, 2018 के बाद से ही चुनी हुई सरकार का इंतजार है। उसका इंतजार अब पूरा होने वाला है। जहां जम्मू-कश्मीर को नई सरकार मिलेगी, वहीं हरियाणा की 90 सीटों पर भाजपा तीसरी बार जीतने के इरादे से उतरेगी। वहीं कांग्रेस भी सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत है। किसानों की नाराजगी को मुद्दा बनाया जा रहा है। भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का अंदाजा है, उसने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मार्च में ही अपना मुख्यमंत्री बदला है। हालांकि, हरियाणा में कांग्रेस की कुछ बढ़ी हुई ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां से लोकसभा की आधी सीटों और आधे से भी ज्यादा वोटों पर उसका कब्जा हो गया है।

आज का राशीफल

मेष — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक — व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन — जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

भाई- बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन

(लेखक- विजय कुमार जैन)

(रक्षाबंधन पर्व पर विशेष)

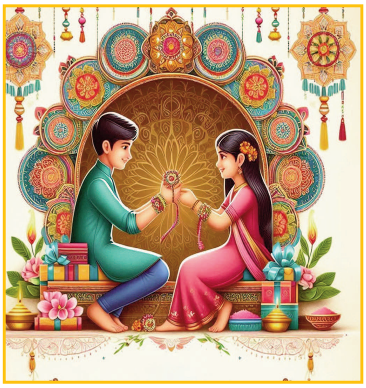

भारतीय संस्कृति में पर्वों का प्राचीनकाल से विशेष महत्व रहा है। प्रत्येक त्यौहार के साथ धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं का संयोग प्रदर्शित होता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी अपना संदेश आम जनता तक पहुँचाने के लिये त्यौहारों एवं मेलों का मंच के रूप में उपयोग होता था। हम चर्चा कर रहे हैं ऐसे ही पर्व रक्षाबंधन की। रक्षाबंधन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रमुख त्यौहार माना जाता है जो श्रावण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपनी रक्षा के लिये भाई को राखी बांधती है। यह पर्व मात्र रक्षा का संदेश नहीं देता, अपितु प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के द्वारा हृदयों को भी बांधने का वचन देता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है मयि सर्व मिदंप्रोक्तं सूत्रे मणिगणाइव अर्थात सूत्र अविच्छन्नता का प्रतीक है क्योंकि सूत्र/धागे बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला में एकाकार बनाता है। माला के सूत्र की तरह रक्षासूत्र भी लोगों को जोड़ता है। पुराणों में रक्षाबंधन का उल्लेख मिलता है। रक्षा हेतु इन्द्राणी ने इन्द्र सहित देवताओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और इन्द्र ने राक्षसों से युद्ध में विजय पायी। एक कथा के अनुसार राजा बलि को दिये वचन अनुसार भगवान विष्णु बैकुंठ छोड़कर बलि के राज्य की रक्षा के लिये चले गये। तब देवी लक्ष्मी ने ब्राह्मणी का रूप धर श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा, उनके कहने पर बलि ने भगवान विष्णु से बैकुंठ लौटने की विनती की। रावण की बहन शूर्पणखा लक्ष्मण के द्वारा नाक काटने के पश्चात रावण के पास पहुंची और खून से मैली साड़ी का एक छोर रावण की कलाई में बांध दिया और कहा भैया जब-जब आप अपनी कलाई को देखोगे आपकी अपनी बहन का अपमान याद आयेगा और मेरी नाक काटने बालों से तुम बदला ले सकोगे। भगवान श्री कृष्ण के हाथ में चोट लगने पर एक बार द्रौपदी ने अपनी चुनरी का किनारा फाड़ कर घाव पर बांध दिया था।

दुशासन द्वारा द्रौपदी का चीरहरण प्रयास इसी बंधन के प्रभाव से असफल हुआ। श्री कृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की। युधिष्ठिर ने एक बार श्रीकृष्ण से पूछा कि वह महाभारत के युद्ध में कैसे बचेंगे , जवाब में श्री कृष्ण ने कहा राखी का धागा ही तुम्हारी रक्षा करेगा। सिकन्दर व पौरस के युद्ध के पूर्व रक्षा सूत्र का आदान प्रदान हुआ था। दोनों ने रक्षा सूत्र की मर्यादा का पालन किया था। मुगल काल में मुगल सम्राट हुमायूँ चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण करने बढ़ा तो राणा सांगा की विधवा कर्मवती ने हुमायूँ को राखी भेजकर अपनी रक्षा का वचन लिया। हुमायूँ ने इसे स्वीकार करके चित्तौड़ पर आक्रमण का विचार मन से निकाल दिया और आगे राखी का वायदा निभाने के लिये चित्तौड़ की रक्षा हेतु गुजरात के बादशाह से भी युद्ध किया।

स्वाधीनता आन्दोलन में भी बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधकर देश को आजाद कराने का वचन लिया। सन 1905 में बंग-भंग आन्दोलन का शुभारंभ एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर हुआ। आजादी के आन्दोलन की एक घटना चन्द्रशेखर आजाद से जुड़ी हुई है। आजाद एक तूफानी रात शरण लेने एक विधवा के घर पहुंचे। पहले तो उसने उन्हें डाकू समझकर शरण देने से मना कर दिया। बाद में यह पता चलने पर कि वह क्रांतिकारी आजाद है तो ससम्मान उन्हें घर के अंदर ले गई। बातचीत के दौरान आजाद को पता चला कि उस विधवा को गरीबी के कारण जबान बेटी की शादी हेतु काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।। यह जानकर आजाद को वहुत दुख हुआ। उन्होंने विधवा को प्रस्ताव दिया कि मेरी गिरफ्तारी पर पाँच हजार रुपये का इनाम है, तुम मुझे अंग्रेजों को पकड़वा दो और उस इनाम से बेटी की शादी कर देना, यह सुनकर विधवा रो पड़ी व कहा भैया तुम देश की आजादी हेतु अपनी जान हथेली पर रखकर चल रहे हो और न जाने कितनी बहू-बेटियों की इज्ज़त तुम्हारे भरोसे है, मैं हरगिज ऐसा नहीं कर सकती। यह कहते हुए उसने एक रक्षा सूत्र आजाद के हाथ पर बांधकर देश सेवा का वचन लिया। सुबह जब विधवा की आँख खुली तो आजाद जा चुके थे और तकिये के नीचे पाँच हजार रुपये रखे हुए थे, साथ ही उसके साथ एक पर्चा रखा था जिस पर लिखा था कि अपनी प्यारी बहन हेतु एक छोटी सी भेंट -आजाद। भारत में रक्षाबंधन का त्यौहार अलग अलग तरीकों से अपनी मान्यता अनुसार मनाया जाता है। मुंबई के समुद्री क्षेत्रों में नारियल पूर्णिमा या कोकोनट फुलमून के नाम से मनाया जाता है। उत्तराखंड के चम्पावत जिले के देवीधूरा में राखी पर्व पर बाराहीदेवी को प्रसन्न करने के लिये पाषाणकाल से ही पत्थर युद्ध का आयोजन किया जाता है। इस युद्ध में आज तक कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। प्राचीन काल में मुनि अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर असुरों द्वारा हस्तिनापुर में उपसर्ग किया। सभी मुनियों को बंदी बनाकर बलि देने का निर्णय लिया। मुनि विष्णु कुमार को इसका पता चला तो उन्होंने अपनी वैक्रिया ऋद्धि के द्वारा असुर शक्तियों को निर्बल किया तथा 700 मुनियों की मुनि अकम्पनाचार्य सहित रक्षा की। मुनियों की रक्षा की स्मृति में यह रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है।700 जैन मुनियों की रक्षा हुई थी, रक्षाबंधन पर्व का नाम करण जैनाचार्य संत शिरोमणी विद्या सागर जी के परम प्रभावक शिष्य निर्यातक मुनि सुधा सागर जी ने श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस किया है।इस दिन जैन मंदिरों में 700 मुनियों की रक्षा के उपलक्ष्य में श्रमण रक्षा विधान पूजन किये जाते है। सभी 700 जैन मुनियों का स्मरण कर उन्हें अर्घ चढ़ाये जाते हैं। मुनि सुधा सागर जी जिस तीर्थ या नगर में चातुर्मास करते हैं वहाँ श्रमण संस्कृति रक्षा विधान पूजन भक्ति भाव से उनके पावन सानिध्य की जाती है। 19 अगस्त को भाग्योदय तीर्थ सागर नगर में ससंघ चातुर्मास कर रहे मुनि सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य एवं कुशल निर्देशन में श्रमण संस्कृति रक्षा विधान भक्ति भाव से आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर धर्म और संस्कृति की रक्षा के प्रतीक रक्षासूत्र बांधते हैं।

रक्षाबंधन पर्व की एक रोचक घटना हरियाणा के फतेहपुर गाँव की है। फतेहपुर में सन 1857 में एक युवक गिरधरलाल को रक्षाबंधन के दिन अंग्रेजों ने तोप से बांधकर उड़ा दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने गिरधरलाल को शहीद का सम्मान देकर रक्षाबंधन पर्व मनाना बंद कर दिया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सन 2006 में इस गाँव के लोगों ने रक्षाबंधन पर्व पुनः मनाने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन पर्व का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। यह पर्व हमारे सामाजिक परिवेश एवं मानवीय मूल्यों का अभिन्न अंग है। आज आवश्यकता है आडंबर के बजाय इस त्यौहार के पीछे छुपे हुए संस्कारों और नैतिक मूल्यों का सम्मान किये जाने की।तभी व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव होगा।

(नोट-- लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

युवा- सी ताजगी के साथ दिलों पर राज करने वाले गुलजार

(लेखक- ललित गर्ग)

(गुलजार के 88वें जन्मदिन- 18 अगस्त, 2024)

गुलजार भारतीय गीतकार, कवि, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक तथा नाटककार हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से कागजों पर लफ्जों को एक नई शक्ल, एक नई जिन्दगी, एक नई संवेदना एवं एक नई जिजीविषा को रचते हुए न केवल भारत बल्कि दुनिया के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त की है। वे हिन्दी गीतों एवं संवादों के ऐसे राजकुमार हैं, जिन्होंने 88 साल के होकर भी युवा-सी ताजगी के साथ श्रोताओं दिलों पर राज किया है। उन्होंने बोलचाल की भाषा में शायरी करते हुए, गीत एवं संवाद लिखते हुए अपने सृजन से यौवन की दहलीज वालों के लिये प्रेम को जीवंतता दी है तो जवानी पार कर चुके बुजुर्गों के लिये जीने का नया अंदाज देकर प्रभावित किया है। उनके गीतों में श्रृंगार रस, लेखनी में संवेदनाएं एवं आत्मा में अध्यात्म-रस बसा हुआ है। वे ऐसे गीतकार, संवाद लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। गुलजार दार्शनिक कवि-गीतकार हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है।

सम्पूर्ण सिंह कालरा उर्फ गुलजार का जन्म 18 अगस्त 1936 में दीना, झेलम जिला, पंजाब में हुआ था, जोकि अब पाकिस्तान में है। गुलजार अपने पिता की दूसरी पत्नी की इकलौती संतान हैं। उनके पिता का नाम माखन सिंह कालरा और माँ का नाम सुजान कौर था। जब गुलजार बेहद मासूम और छोटे थे तभी उनकी माँ का निधन हो गया। देश के विभाजन के वक्त इनका परिवार पंजाब के अमृतसर में आकर बस गया। वहीं से गुलजार मुंबई चले आए। मुंबई आकर उन्होंने एक गैरेज में बतौर मैकेनिक का काम करना शुरू कर दिया एवं खाली समय में शौकिया तौर पर कवितायें लिखने लगे। इसके बाद उन्होंने गैरेज का काम छोड़ हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक बिमल राय, हृषिकेश मुखर्जी और हेमंत कुमार के सहायक के रूप में काम करने लगे। गुलजार की शादी तलाकशुदा अभिनेत्री राखी गुलजार से हुई हैं। हालांकि बेटी के जन्म के बाद गुलजार एवं राखी अलग हो गये। लेकिन गुलजार और राखी ने कभी भी एक-दूसरे से तलाक नहीं लिया। उनकी एक बेटी हैं-मेघना गुलजार जोकि एक फिल्म निर्देशक हैं।

अपनी सोच एवं कलम की जादूगरी से गुलजार सिनेमा की दुनिया और सिनेमा प्रेमियों के जीवन का एक जरूरी हिस्सा बन गये हैं। गुनगुनाते गीतों एवं संवादों में जीवन एवं संवेदनशील किरदारों में अपना अक्स देखनेवाले दर्शक न गुलजार की फिल्मों को भूल सकते हैं और न ही गीतों को। वे प्रेम भरे गाने लिखते हैं तो भक्तिमय भी। 'मोरा गोरा अंग लइ ले, मोहे श्याम रंग दे दई... सिनेमा की चमक-दमक में वे श्याम रंग की चाहत को भी उकेर देते हैं। स्क्रीन प्ले लिखते हैं तो आनंद जैसी फिल्म जिसका नायक हंसते-हंसते पल-पल करीब आती मौत के लिए तैयार नजर आता है। फिल्म बनाते हैं तो वो 'आंधी' और 'मौसम' की शक्ल में सामने आते हैं, जहां संवेदनाओं का ज्वार अपने चरम पर नजर आता है। टीवी सीरियल की बात होती है तो मिर्जा गालिब को जीवंत कर देते है। मिर्जा गालिब टीवी धारावाहिक की हैसियत कुछ वैसी है जैसे बड़े पर्दे पर मुगले-आजम की बनी थी। बच्चों के लिए लिखा तो जंगल जंगल बात चली है, पता चला है, चड्डी पहनकर फूल खिला है, बच्चों की जिन्दगी का अहम हिस्सा बन गया। गुलजार बंटवारे के दौर की हिंसा को सालों तक नहीं भूल पाए। तब वे ग्यारह-बारह साल के थे। अपनी आंखों के सामने उन्होंने सैकड़ों लोगों का कत्ल होते देखा था। लाखों लोगों को रातोंरात उजड़ने की भयावहता भी उनके दिलोदिमाग में घर कर गयी थी। कच्ची उम्र के जख्म जिंदगी भर नहीं जाते। गुलजार के अंदर भी यह पूरा हादसा किसी खतरनाक मंजर की तरह उबलता रहता है, सालता रहता है। तभी तो गुलजार लिखते हैं- आंखों को वीजा नहीं लगता, सपनों की सरहद होती नहीं, बंद आंखों से रोज मैं सरहद पार चला जाता हूं। माचिस फिल्म बनाते हैं तो उनका दर्द कुछ यूं छलक आता है- छोड़ आए हम वो गलियां, छोड़ आए हम वो गलियां।। लेकिन गुलजार इसी दर्द से सिमटे भर नहीं रहे। वे कहते हैं, वक्त के साथ समझ में आया कि कम कहने में ज्यादा अर्थवत्ता है। ज्यादा कहने से अर्थ ही निस्तेज हो जाते हैं। इसलिए यही गुलजार जब मस्ती के मूड में आते हैं तो बखूबी लिख डालते हैं- गोली मार भेजे में, भेजा साला शोर करता है। यही गुलजार जब प्रेम कविता लिखते हैं- तुम्हारे गम की डली उठा कर, जुबां पर रख ली है देखो मैंने। वह कतरा कतरा पिघल रही है, मैं कतरा कतरा ही जी रहा हूं। खूबसूरती एवं जीवन के रंगों को हम प्रतीकों में पहचानते आए हैं और प्रतीक देश-काल, समाज-संस्कृति, जीवन एवं सोच, राजनीतिक माहौल के साथ बदलते रहते हैं। लेकिन गुलजार जैसे प्रेम और सौन्दर्य के महान् गीतकार अपनी काबिलीयत से जब नये रंग भरने लगता है तो जनमानस में व्याप्त खूबसूरती के पैमाने खुद-ब-खुद बदलने लगते हैं। गुलजार के पूरे जीवन में ये साफ नजर आता है कि समय के साथ वे खुद को बदलते रहे। उनका फोकस कभी डगमगाता नहीं दिखा, वह भी तब जब उनके अपने जीवन में 'आंधी' आ गई थी। दरअसल, आज से यही कोई 50 साल पहले 18 अप्रैल, 1973 को गुलजार और राखी ने आपस में प्रेम विवाह किया

था। इस शादी में उस वक्त की भारतीय सिनेमाई दुनिया के तमाम दिग्गज शरीक हुए थे। गुलजार के जीवन के पन्नों पर टंके हैं जीवन के, जिजीविषा के, सृजन के, संघर्ष के मंजर। जो हर कोण से एवं हर मोड़ से कुछ नया एवं विलक्षण करता रहा है। उनका हिंदी सिनेमा में करियर बतौर गीत लेखक एस. डी. बर्मन की फिल्म बंधिनी से शुरू हुआ। साल 1968 में उन्होंने फिल्म आशीर्वाद का संवाद लेखन किया। इस फिल्म में अशोक कुमार नजर आये थे। इस फिल्म के लिए अशोक कुमार को फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों के गाने लिखे जिसके लिए उन्हें हमेशा आलोचकों और दर्शकों की तारीफें मिली। साल 2007 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर का गाना जय हो लिखा। उन्हें इस फिल्म के ग्रैमी अवार्ड एवं सर्वश्रेष्ठ गीत का ऑस्कर पुरस्कार मिल चुका है। उन्हें 2004 में भारत के सर्वोच्च सम्मान पद्म भूषण से भी नवाजा जा चूका है। गुलजार अनेक पुरस्कार और सम्मान से नवाजे जा चूके हैं। जिनमें प्रमुख हैं- 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 22 फिल्मफेयर अवाड्र्स, 1999 से 2000 तक के लिए मध्य प्रदेश सरकार से राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान प्राप्त, साल 2008 में सर्वश्रेष्ठ मूल गीतों के लिए अकादमी पुरस्कार, 2010 में एक ग्रैमी अवार्ड, 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार आदि।

विचार मंथन

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा की चुनाव अधिसूचना जारी कर दी है। जम्मू कश्मीर में 10 साल के बाद चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 खत्म होने और जम्मू कश्मीर राज्य केंद्र शासन के अधीन घोषित होने के बाद यह पहला चुनाव है। इस चुनाव को लेकर जम्मू कश्मीर के नेता कई महीनो से इंतजार कर रहे थे। यहां की जनता भी चुनाव नहीं होने से नाराज थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आखिरकार यहां पर चुनाव आयोग को चुनाव कराना पड रहे हैं। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा के चुनाव होंगे। वहीं हरियाणा में एक चरण में चुनाव संपन्न होगा। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में 90-90 सीटें हैं। कहने का तात्पर्य यह है, दोनों विधानसभाएं छोटी हैं। जम्मू- कश्मीर में आतंकवादियों के हमले हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग ने तीन चरणों में चुनाव कराने का निर्णय लिया है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के संबोधन में एक राष्ट्र एक चुनाव की बात कही थी। जब चुनाव आयोग चार राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा सकता है। तब प्रधानमंत्री कैसे एक साथ सभी चुनाव एक साथ कराने की बात कर रहे हैं। कई राज्यों में 46 सीटों पर उपचुनाव होने थे, चुनाव आयोग द्वारा कोई उपचुनाव नहीं कराये जा रहे हैं। 10 विधानसभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के हैं। सीमावर्ती राज्य हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं। तब उत्तर प्रदेश में उपचुनाव कराने मैं क्या दिक्कत थी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। वायनाड की लोकसभा सीट के चुनाव बाद में भी कराये जा सकते थे। जिन राज्यों में अनुकूलता थी, वहां पर उपचुनाव नहीं कराने से चुनाव आयोग के निर्णय पर तरह-तरह की शंका पैदा की जा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ था। जो शिकायतें की गई थी, उनका निराकरण नहीं किया गया। किस राज्य में और किस संसदीय क्षेत्र में कितना मतदान हुआ है। उसमें विलंब होना, बाद में मतदान की संख्या में भारी अंतर को लेकर, चुनाव आयोग के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगे। एडीआर द्वारा लोकसभा चुनाव की जो जानकारी मांगी गई, वह चुनाव आयोग द्वारा नहीं दी जा रही है। चुनाव आयोग पहले ही कटघरे में खड़ा था, अब उपचुनाव नहीं कराने तथा केवल दो राज्यों के चुनाव कराने को लेकर, चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। यह भी कहा जा रहा है, दिल्ली विधानसभा के चुनाव समय के पहले हो सकते हैं। दिल्ली में चुनाव की तैयारी चुनाव आयोग द्वारा शुरू कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद महाराष्ट्र के साथ दिल्ली और झारखंड के चुनाव होंगे। इसकी अटकलें शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग की जितनी आलोचना 2024 के लोकसभा चुनाव में हुई है। उसके पहले कभी भी चुनाव आयोग को लेकर इस तरह की आलोचना नहीं हुई थी। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलते नहीं हैं। मीडिया से भी दूरी बनाकर रखते है। चुनाव आयोग के कार्यों में पारिदर्शिता नहीं है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता आम मतदाताओं के बीच में कम होना चिंता का विषय है। लोकसभा चुनाव के पहले भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई आंदोलन हुए। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद जिस तरह की शंका चुनाव आयोग के प्रति की जा रही है। जिस तरह से चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं। उसका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए। अब तो चर्चा यह भी होने लगी है, चुनाव आयोग में भारी भ्रष्टाचार है। चुनाव के दौरान जो खर्च किया जाता हैं। उनका केंद्रीकरण कर दिया गया है। मनमाने तरीके से काम कराए जाते हैं। मनमाने तरीके से भुगतान किया जाता है। चुनाव आयोग एक

स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। इसलिए उसके बारे में कुछ चर्चा नहीं होती है। जिस तरह से चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं। आयोग सत्तारूण दल के इशारे पर काम करने का आरोप लग रहा है। ऐसे समय पर चुनाव आयोग को पारिदर्शिता और निष्पक्षता के साथ काम करने की जरूरत है। जब तक आम मतदाताओं को चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास है। तभी तक लोकतंत्र और चुनाव के माध्यम से बनी हुई सरकारें सुरक्षित हैं। जिस दिन जनता का विश्वास खत्म हो जाएगा। उस दिन चुनाव आयोग और चुनाव के माध्यम से चुनी गई सरकारों का भी भविष्य सुरक्षित नहीं रहेगा। लोकतंत्र में जनता ही मालिक है। चुनाव में निष्पक्षता और पारदर्शिता जरूरी है। आशा है चुनाव आयोग इस पर ध्यान देगा।

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

येलोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा. 1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं. 5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आच्छादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया. 500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है. 165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन

यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है क़ैनियन २0 मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें १000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं :

पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 1.5 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छटा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं. 1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

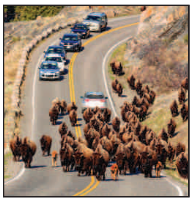

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पशिचमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

शेयर बाजार में मुनाफा वसूली जारी 14367 करोड़ निवेशको ने बाहर निकाले

मुंबई । म्युचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से निवेशक बड़ी मात्रा में निकासी कर रहे हैं। जुलाई माह में 14367 करोड़ रुपए की निकासी हुई है। यह अभी तक का सबसे बड़ी राशि है,जो एक माह के अंदर निकली गई है। जुलाई माह से बाजार में मुनाफा वसूली देखने को मिल रही है। निवेश कम हो रहा है, उसकी तुलना में निवेशक शेयर बाजार से बाहर ज्यादा निकल रहे हैं। अगस्त माह में भी यह घबराहट देखने को मिल रही है। 30 से कम शेयरों के पोर्टफोलियो, म्युचुअल फंड में पिछले 6 महीने से लगातार मुनाफा वसूली हो रही है। निवेश कम हो रहा है। 50 शेयर वाले समूह से भी 2700 करोड़ रुपए निवेशकों ने निकाले हैं। म्युचुअल फंड शेयर वाले समूह और 50 शेयर वाले समूह में लगातार निकासी हो रही है। शेयर बाजार में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। हिडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद बाजार से निवेशक भाग रहे हैं।

आरबीआई ने पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म के लिए सख्त किए मानदंड

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी -पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) के लिए मानदंड सख्त कर दिए। आरबीआई द्वारा जारी संशोधित मास्टर निर्देश के अनुसार पी2पी प्लेटफॉर्म को निवेश उत्पाद के रूप में पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, जिसमें अवधि-लिंक्ड सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न, लिक्विडिटी विकल्प आदि जैसी विशेषताएं हों। बैंक ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म को किसी भी बीमा उत्पाद को क्रॉस-सेल नहीं करना चाहिए, जो क्रेडिट वृद्धि या क्रेडिट गारंटी की प्रकृति का हो। जब तक ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं का मिलान या मैपिंग बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार नहीं किया जाता है, तब तक कोई ऋण वितरित नहीं किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल के नए भाव को लेकर वित्त मंत्रालय की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। पेट्रोल 9 रुपए तक सस्ता हो गया है। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पेट्रोल की कीमतों में 8.47 रुपए प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में 6.70 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव के बाद अब हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 272 रुपए 77 पैसे हो गई है। जबकि एक लीटर पेट्रोल के लिए अब 260 रुपए 96 पैसे देने होंगे। बता दें कि पाकिस्तान सरकार हर 15 दिन में पेट्रोल और डीजल की नई कीमत जारी करता है। कच्चे तेल की कीमतों की समीक्षा के बाद वित्त मंत्रालय नए कीमतों को लेकर आदेश जारी करता है। अब पाकिस्तान में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट आने से वहां की जनता को बड़ी राहत मिली है।

गूगल भारत सहित छह देशों में लाएगा 'एआई ओवरव्यू' फीचर

नई दिल्ली । टेक सेक्टर की प्रमुख कंपनी गूगल ने भारत सहित छह देशों में 'एआई ओवरव्यू' फीचर लाने की घोषणा कर दी है। भारत में कंपनी अंग्रेजी और हिंदी में 'एआई ओवरव्यू' शुरू कर रही है और साथ ही देश में पहली बार लोकप्रिय फीचर्स भी पेश कर रही है। कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि यह आपको लैंग्वेज टॉगल बटन के साथ अंग्रेजी और हिंदी रिजल्ट के बीच आसानी से स्विच करने में मदद करेगा, और सुनो बटन पर टैप करके टेक्स्ट-टू-स्पीच के साथ प्रतिक्रियाओं को सुनने में मदद करेगा। इसे भारत, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इंडोनेशिया, मैक्सिको और ब्राजील में शुरू कर दिया जा रहा है। सर्च के प्रोडक्ट मैनेजमेंट की एक वरिष्ठ निदेशक ने कहा कि टेस्टिंग के दौरान हमने देखा कि भारतीय यूजर्स अन्य देशों की तुलना में एआई ओवरव्यू के जवाबों को अधिक बार सुनते हैं। हम सर्च करते समय प्रासंगिक वेबसाइटों की जांच करने के लिए और अधिक तरीके पेश कर रहे हैं। डेस्कटॉप पर एआई ओवरव्यू के लिए दाहिने हाथ के लिंक डिस्प्ले के साथ ऊपरी दाईं ओर साइट आइकन पर टैप करके मोबाइल पर भी पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम एआई को विकसित करते हैं, हम विभिन्न स्रोतों से लोगों को जानकारी तक पहुंचने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कंपनी एआई ओवरव्यू के टेक्स्ट के भीतर सीधे प्रासंगिक वेब पेजों के लिंक जोड़ने का भी परीक्षण कर रही है।

अब निजी कंपनियां एक बार में 100 से ज्यादा नहीं खरीद सकेंगी सिम कार्ड

-सरकार ने ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने बनाए नए नियम

नई दिल्ली।

सिम कार्ड के नए नियमों के तहत अब प्राइवेट कंपनियां एक बार में 100 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं खरीद सकेंगी। इसके लिए उन्हें अगली बार फिर से अप्लाई करना होगा। सिम कार्ड जारी करने से पहले यूजर का ई-वेरीफिकेशन करना जरूरी होगा, जिससे ऑनलाइन धोखाधड़ी पर रोक लगाई जा सके। सिम कार्ड के नियमों में बदलाव हो सकता है। कुछ समय पहले ही सिम कार्ड को लेकर नया नियम आया था। नए नियमों का सबसे ज्यादा असर यूजर्स पर पड़ने वाला है। क्योंकि सरकार की तरफ से ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड से संबंधित नए नियम बनाए गए हैं। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने कार्रवाई करते हुए कहा कि अब निजी कंपनियां 100 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं खरीद सकेंगी। एक समय में 100 सिम कार्ड ही खरीद पाएंगी। ऑनलाइन स्कैम और सिम कार्ड की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से ये फैसला लिया गया है। अगर किसी भी कंपनी को इससे ज्यादा सिम चाहिए तो उन्हें रिक्वेस्ट करनी होगी। ये रिक्वेस्ट कंपनियों के एमडी द्वारा की जाएगी। कंपनी को बल्क में सिम कार्ड चाहिए तो उन्हें 100 सिम कार्ड के बैच में ही इसे अप्लाई करना होगा। इसके बाद ज्यादा सिम हासिल करने के लिए उन्हें अगले दिन दोबारा अप्लाई करना होगा। इसमें एमडी के साथ यूजर का भी ई-वेरीफिकेशन होगा। फोटोग्राफ के साथ पूरी जांच करने के बाद ही सिम कार्ड इशू किया जाएगा। कंपनियों पर किसी प्रकार की कोई रोक नहीं थी। वह अनलिमिटेड नंबर ऑफ सिम खरीद सकती थीं। लेकिन अब इसमें भी बदलाव करने के बाद जरूरी हो गया है कि कर्मचारी खुद सिम का ई-वेरीफिकेशन करेगा। उसे पूरा करने के बाद ही सिम कार्ड इस्तेमाल करने लायक होगी। सिक कार्ड एक्टिवेशन का प्रोसेस पूरा तभी होगा जब यूजर की केवॉयसी पूरी तरह अपडेट होगी।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियम, 2019 में संशोधन

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष के आम बजट में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी निवेश के लिए नियमों और विनियमों को सरल बनाने की घोषणा की थी। इसी घोषणा के अनुसरण में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने जारी अधिसूचना के माध्यम से विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2019 में संशोधन किया है। इन संशोधनों का उद्देश्य सीमा पार शेयर स्वैप को सरल बनाना तथा विदेशी कंपनी इक्विटी उपकरणों के बदले भारतीय कंपनी इक्विटी उपकरणों को जारी करने या स्थानांतरित करने का प्रावधान करना है। इससे विलय, अधिग्रहण तथा अन्य रणनीतिक पहलों के माध्यम से भारतीय कंपनियों के वैश्विक विस्तार में सुविधा होगी। इससे भारतीय कंपनियां नए बाजारों तक पहुंच सकेंगी तथा दुनिया भर में अपनी उपस्थिति बढ़ा सकेंगी।

1 अक्टूबर से लागू होंगे शेयर बायबैक के नए नियम

नई दिल्ली ।

शेयर बॉयबैक पर नया टैक्स सिस्टम लागू होने वाला है। नए नियम (Share 1 अक्टूबर से लागू होंगे। नए नियम के तहत अब कोई निवेशक को शेयर बॉयबैक से फायदा मिलता है तो उसे डिविडेंड माना जाएगा। अब डिविडेंड के आधार पर टैक्स लगाया जाएगा। शेयर बायबैक में जितनी राशि शेयरधारक को मिलेगी उसी हिसाब से पूंजीगत लाभ या हानि की गणना की जाएगी। इस साल जुलाई में पेश हुए यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने शेयरों की बॉयबैक से हुई इनकम पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव पेश किया था। इसके तहत शेयर की पुनर्खरीद से होने वाली आय को लाभांश के रूप में माना जाएगा। इस नए टैक्स सिस्टम के तहत शेयर बायबैक को कंपनी का अतिरिक्त आमदनी आ जाएगा और उस पर टैक्स लगाया जाएगा। इन नए नियमों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि इससे निवेशकों का बोझ बढ़ सकता है और शेयर बायबैक में भी कमी आ सकती है। शेयर बायबैक के नए नियम से निवेशकों को फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि नए नियमों के तहत कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और नियमों का पालन करना होगा। इससे निवेशकों को फायदा होगा क्योंकि उन्हें अधिक स्पष्टता मिलेगी कि कंपनियां किस तरह से बायबैक कर रही हैं और इसका उनके निवेश पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इन नियमों के कारण कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। इससे शेयर की कीमतों पर त्वरित लाभ की संभावना कम हो सकती है, जो उन निवेशकों के लिए नुकसानदेह हो सकता है जो जल्दी मुनाफा कमाना चाहते हैं। इसके अलावा, कंपनियों पर अनुपालन की अतिरिक्त लागत भी आ सकती है, जो उनके मुनाफे को प्रभावित कर सकती है।

सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से ज्यादा रही तेजी

- सेंसेक्स 1,330 अंकों की बढ़त के साथ 80,436 पर बंद
- निफ्टी 397 अंक उछलकर 24,541 के स्तर पर बंद

मुंबई ।

अमेरिका में वृहद आर्थिक आंकड़ों से मंदी की आशंका दूर होने की संभावना से घरेलू शेयर बाजार और दुनिया भर के बाजार में तेजी देखी गई। शेयर बाजार में सासाहिक आधार पर डेढ़ फीसदी से ज्यादा तेजी रही। देसी निवेशकों की लगातार लिवाली से भी शेयर बाजार को बल मिला। पिछले सप्ताह गुरुवार को 15 अगस्त के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से सप्ताह में एक दिन कम कारोबार हुआ। पिछले सप्ताह के कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हिंडनबर्ग-सेबी विवाद की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 गिरावट के साथ खुले। हालांकि वैश्विक बाजारों की स्थिरता के कारण इस गिरावट को सीमित रखा गया। बीएसई सेंसेक्स 228 अंक गिरकर 79,477 पर खुला और 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 85 अंक गिरकर 24,282 पर खुला और 20.50 अंक कमजोर होकर 24,347.00 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों और आर्थिक आंकड़ों से मिले मिश्रित संकेतों के आधार पर बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 42 अंक गिरकर 79,607 पर खुला और 692.89 अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 पर बंद हुआ। निफ्टी 10 अंक गिरकर 24,337 पर खुला और 208.00 अंक फिसलकर 24,139.00 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 150.82 अंकों की बढ़त के साथ 79,088.76 के स्तर पर खुला और 149.85 अंकों की बढ़त के साथ 79,105.88 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 14.25 अंक मजबूत होकर 24,153.25 पर खुला और 4.75 अंक मजबूत होकर 24,143.75 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स लगभग 800 अंक बढ़कर 79,743.31 पर खुला और 1,330.96 (1.68 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 80,436.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 180 अंक बढ़कर 24,326.45 पर खुला और 397.41 (1.65 फीसदी) अंक उछलकर 24,541.15 के स्तर पर बंद हुआ।

दक्षिण की सबसे बड़ी सीमेंट इंडस्ट्रीज पेन्ना अब हुई अडानी की........10422 करोड़ रुपये में खरीदा

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने दक्षिणी हिस्से में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अडानी की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने दक्षिण की पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज के साथ अधिग्रहण पूरा किया है। इस अधिग्रहण के साथ ही पेन्ना अब अंबुजा सीमेंट्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी बन गई है। बता दें कि अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने जून में पेन्ना सीमेंट में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी थी। यह सौदा 10422 करोड़ रुपये में हुआ था। पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज साउथ की बड़ी कंपनी है। इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद अडानी साउथ में अपने कारोबार की पकड़ मजबूत करेगी। इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद पूरे भारत के सीमेंट बाजार में अडानी ग्रुप की हिस्सेदारी दो प्रतिशत बढ़ गई है। वहीं दक्षिण भारत में हिस्सेदारी में 8 फीसदी का इजाफा हुआ है।

पेन्ना सीमेंट की मौजूदा सीमेंट उत्पादन क्षमता 14 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इसमें 10 एमटीपीए पहले से ही ऑपरेशनल है। अडानी सीमेंट साल 2028 तक 140 एमटीपीए क्षमता का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। माना जा रहा है कि यह अधिग्रहण लक्ष्य को हासिल करने में मिल का पत्थर साबित होगा। जानकारों के मुताबिक इस कंपनी के अधिग्रहण से अडानी ग्रुप को न केवल दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी, बल्कि वह श्रीलंका के मार्केट में भी प्रवेश कर सकेगा। पेन्ना सीमेंट के पास आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान (निर्माणाधीन) में 14 मिलियन टन सालाना उत्पादन क्षमता है। इसके अलावा जोधपुर संयंत्र से भी 3 एमटीपीए सीमेंट उत्पादन की क्षमता मिलेगी। अडानी ग्रुप ने कहा था कि यह कोलकाता, गोपालपुर, कराईकल, कोच्चि और कोलंबो में पांच बल्क सीमेंट टर्मिनलों के साथ अडानी समूह के समुद्री परिवहन लॉजिस्टिक्स को भी मजबूत करेगा। अडानी ग्रुप काफी तेजी से सीमेंट सेक्टर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। उसकी नजर गुजरात की कंपनी सौराष्ट्र सीमेंट, जयप्रकाश एसोसिएट्स का सीमेंट बिजनेस और एबीजी शिपयार्ड की कंपनी वदराज सीमेंट पर भी है। अडानी ग्रुप का लक्ष्य क्षमता बढ़ाने और अगले तीन से चार वर्षों में आदित्य बिड़ला ग्रुप की अल्ट्राटेक को पछाड़कर देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनना है। ग्रुप के पास अभी तीन सीमेंट कंपनियां हैं। इसमें अंबुजा, एसीसी और सांघी सीमेंट शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ से जुटाएगी 4000 करोड़

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ से जुड़े दस्तावेज सौंपे हैं। एक खबर के अनुसार बाजार नियामक को सौंपे दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी आईपीओ से करीब 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। सेबी को भेजे गए दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी ने ताजा निर्गम के जरिये 2,000 करोड़ रुपये और बिक्री पेशकश से अन्य 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना तैयार की है। जेएसडब्ल्यू समूह ने पहले कहा था कि वह वर्ष 2024 में अपनी सीमेंट इकाई को सूचीबद्ध कराएगी। समूह के ऊर्जा, बंदरगाह और इस्पात पहले से ही सूचीबद्ध व्यवसाय हैं। बंदरगाह वर्टिकल में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को कुछ समय पहले ही सूचीबद्ध कराया गया था। पिछले साल अगस्त में जेएसडब्ल्यू समूह के उत्तराधिकारी एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने 2024 के लिए सूचीबद्धता योजनाओं को साझा करते हुए कहा था कि आईपीओ से मिलने वाली पूंजी से समूह को अपने 6 करोड़ टन क्षमता के लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अपने सीमेंट व्यवसाय की क्षमता चार साल में तीन गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी की क्षमता इस समय 2.06 करोड़ टन सालाना है जिसे बढ़ाकर वह 6 करोड़ टन सालाना करना चाहती है।

बीते वित्त वर्ष खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई घटकर 5,037 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 30 फीसदी कम होकर 5,037.06 करोड़ रुपये रह गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 2022-23 के दौरान 7,194.13 करोड़ रुपये का एफडीआई आया था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने लोकसभा में पेश आंकड़ों में बताया कि इस क्षेत्र में एफडीआई 2021-22 में 5,290.27 करोड़ रुपये और 2020-21 में 2,934.12 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई 2019-20 में 6,414.67 करोड़ रुपये, 2018-19 में 4,430.44 करोड़ रुपये, 2017-18 में 5,835.62 करोड़ रुपये, 2016-17 में 4,865.85 करोड़ रुपये और 2015-16 में 3,312 करोड़ रुपये था।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने कई उपाय किए हैं, जिसमें क्षेत्रीय नियमों के अधीन खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति शामिल है। इसके साथ ही भारत में बने खाद्य उत्पादों के संबंध में ई-कॉमर्स सहित अन्य व्यापार के लिए सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के तहत लाइसेंसिंग के दायरे से सभी प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं को छूट दी है।

क्रेडिट कार्ड बंद करने में देरी करने पर बैंक को देना होगा जुर्माना

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक अगर कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड को बंद कराने का आवेदन देता है तो उस पर 7 दिन के अंदर प्रॉसेस शुरू करना जरूरी होता है। अगर कार्ड जारी करने वाली बैंक या संस्था ऐसा नहीं कर पाती है तो 7 दिन की अवधि के बाद उस पर 500 रुपये हर दिन के हिसाब से जुर्माना लगता है और यह राशि ग्राहक को देनी होती है। हालांकि एक बात का ध्यान देना जरूरी है कि आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भी बकाया नहीं होना चाहिए। यह नियम आरबीआई ने साल 2022 में पेश किया था। किसी भी क्रेडिट कार्ड को बंद कराने से पहले आपको उसका बकाया चुकाना होता है। जब तक बकाया नहीं चुकाया जाता है तब तक क्रेडिट कार्ड बंद नहीं होगा। बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड बंद करवाने से पहले रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम नहीं करते हैं। आपने खर्च करके ये प्वाइंट कमाया है। ऐसे में यह रिडीम करना आपका हक है। कई बार लोग अपने क्रेडिट कार्ड पर कुछ रिकरिंग पेमेंट्स की स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन लगा देते हैं, जैसे इंश्योरेंस प्रीमियम, ओटीटी मंथली चार्ज या कुछ और। बंद कराने से पहले इसे पूरी तरह से क्लियर कर दें। अब आपको बैंक को फोन करके बताना होगा कि आप क्रेडिट कार्ड बंद करना चाहते हैं। इसके बाद वह डिटेल मांगेगा, जिसके बाद प्रॉसेस शुरू किया जाएगा।

गूगल ने की फिक्सल 9 सीरीज लॉन्च, पुराने फोन्स की कीमत भी घटाई

नई दिल्ली।

गूगल ने अपनी फिक्सल 9 सीरीज को लॉन्च किया है। कंपनी ने इस सीरीज में फिक्सल 9, फिक्सल 9 प्रो, फिक्सल 9 प्रो एक्सएल और फिक्सल 9 प्रो फोल्ड लॉन्च किया है। नए फोन्स के लॉन्च होते ही कंपनी ने पुराने स्मार्टफोन्स की कीमतें कम कर दी है। ऐपल के नक्शे कदम पर चलते हुए गूगल ने ये कदम उठाया है। कंपनी ने अपने चार स्मार्टफोन्स की कीमत घटा दी है। इन कीमतों में सात हजार रुपए तक की कटौती की गई है। कीमतों में कटौती के अलावा आपको एडिशनल डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।

कंपनी ने फिक्सल8, फिक्सल8 प्रो, फिक्सल8ए और फिक्सल7ए की कीमतें घटा दी हैं। कंपनी ने इन स्मार्टफोन्स की कीमत को दो हजार से सात हजार रुपए तक कम कर दिया है। फिक्सल 8 प्रो इसके 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 1,06,999 रुपए से घटकर 99,999 रुपए हो गई है। वहीं 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 1,13,999 रुपए से घटाकर 1,06,999 रुपए कर दी गई है यानी दोनों वेरिएंट्स की कीमत सात हजार रुपए तक घटा दी गई है। इसके अलावा गूगल फिक्सल8 के 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट का दाम 75,999 रुपए से घटाकर 71,999 रुपए कर दिया गया है। इसके 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 82,999 रुपए से घटाकर 77,999 कर दी है। कंपनी ने इस फोन का दाम 4000 रुपए और 5000 रुपए घटाया है। फिक्सल8ए इसके दोनों ही वेरिएंट्स की कीमत तीन हजार रुपए कम की है। इसके 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट का दाम 52,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दिए हैं। वहीं 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 59,999 रुपए से घटकर 56,999 रुपए हो गई है।

कंपनी ने फिक्सल7ए की कीमतों में भी कटौती की है। ये स्मार्टफोन दो हजार रुपए सस्ता हुआ है। इसकी आधिकारिक कीमत 43,999 रुपए से कम होकर 41,999 रुपए हो गई है। बता दें कि इन फोन्स को आप इससे भी कम कीमत पर ऑनलाइन से खरीद सकेंगे। ये फोन्स फिलहाल फ्लीपकार्ट पर ऑनलाइन उपलब्ध है। फ्लीपकार्ट पर इन फोन्स पर 10 हजार रुपए तक का एडिशनल डिस्काउंट मिल रहा है।

कच्चा तेल 80 डॉलर, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के आखिर दिन के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 1.36 डॉलर की गिरावट के साथ 89.68 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.51 डॉलर लुढ़क कर 76.65 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

विनेश फोगाट का भव्य स्वागत, बोलीं- पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं

डरबन (एजेंसी)। नई दिल्ली - पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया।

विनेश ने हाथ जोड़कर कहा कि मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं। यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया। नारंग ने लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम।

विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा कि विनेश स्वदेश लौट रही है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।

सिनसिनाटी में हारे कार्लोस अल्कराज, रैकेट तोड़ा, बोले- मेरा सबसे खराब मैच

सिनसिनाटी (एजेंसी) । 4 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला। मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था। मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया। मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है।

मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्त्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

आर्यना सबालेंका भी एलिना स्वितोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन को 7-5, 6-1 से हराया।

यूथ ओलंपिक 2030 में शामिल होगा क्रिकेट ? भारत की दिलचस्पी से उम्मीदें बढ़ीं

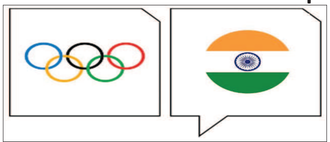

नई दिल्ली (एजेंसी) । एलए ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की एंट्री के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) युवा ओलंपिक 2030 में क्रिकेट को शामिल करने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है। हाल ही में, भारत सरकार ने युवा ओलंपिक के 2030 संस्करण की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है। ऐसे में अब आईसीसी के आगे आने के कारण क्रिकेट फैंस और भी उत्साहित हो गए है।

आईसीसी के विकास महाप्रबंधक ने विलियम ग्लेनराइट ने इस पर सकारात्मक जवाब रिपोर्ट दी है। उन्होंने तर्क दिया है कि क्रिकेट को खेलों में जगह मिलनी चाहिए क्योंकि अन्य सभी बड़े खेल इस आयोजन का हिस्सा हैं और क्रिकेट को शामिल करने से विश्व स्तर पर खेल की जमीनी स्तर पर उपस्थिति बढ़ेगी।

यह भी तर्क दिया गया है कि भारत क्रिकेट का पावरहाउस है, इसलिए 2030 संस्करण क्रिकेट के प्रवेश के लिए उपयुक्त है। यह भी कहा गया है कि आईसीसी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को मनाना कोई मुश्किल काम नहीं होगा क्योंकि शीर्ष ओलंपिक संस्था ने अब क्रिकेट के महत्व और इससे ओलंपिक खेलों में आने वाले मूल्य को पहचान लिया है। युवा ओलंपिक खेलों की आयु सीमा 15 से 18 वर्ष है, और यदि भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है, तो क्रिकेट भी 2030 संस्करण में अपनी पहली प्रविष्टि बनाने की प्रबल संभावना होगी।

1900 के पेरिस खेलों के बाद पहली बार 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया है। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, गोताखोरी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, फुटसल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, आधुनिक पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन्स, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन और कुश्ती ऐसे खेल हैं जो यूथ ओलंपिक में शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया पर दर्ज करनी होगी जीत

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को आने वाले समय में टेस्ट सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तभी भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बना सकती है। इसके लिए भारतीय टीम को अगले 10 में से 7 टेस्ट जीतने होंगे। इस दौरान उसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मुश्किल टीमों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम अब तक डब्ल्यूटीसी फाइनल नहीं जीती है। उसे पहली बार न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। अभी भारतीय टीम के 6 जीत और 2 हार के बाद 74 अंक हैं। टीम 68.51 फीसदी फीसदी अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। भारतीय टीम अगर सभी टेस्ट खत्म होने के बाद इतने ही या इससे कुछ कम अंक भी बरकरार रख पायी तो भी फाइनल में पहुंच जाएगी।

डब्ल्यूटीसी में टीमों को एक जीत पर 12 अंक, ड्रॉ पर 4 और हार पर कोई अंक नहीं मिलता। जबकि टाई होने पर दोनों टीमों को 6-6 अंक मिलते हैं। एक टीम को 2 साल के चक्र में 6 सीरीज खेलनी ही होती हैं पर हर टीम की सीरीज में मैचों की संख्या निर्धारित नहीं होती। किसी सीरीज में 2 तो किसी में 5 टेस्ट भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर कुल अंक तालिका के आधार पर रैंकिंग बनाई जाती तो उन टीमों को ज्यादा फायदा होता जो 5 टेस्ट की सीरीज खेलती हैं। इस स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने रैंकिंग के लिए परसेंटेज अंकों का मापदंड बनाया है। इसी से रैंक तय होता है। इसमें भारतीय टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया से ऊपर है। भारतीय टीम ने इस चक्र में 3 सीरीज खेलते हुए वेस्टइंडीज को 1-0 से हराया पर सीरीज में एक टेस्ट ड्रॉ खेला। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही, फिर इंग्लैंड के खिलाफ घर में ही एक टेस्ट हार गए, लेकिन सीरीज 4-1 से जीत ली।

सूर्यकुमार को टेस्ट टीम में भी मिल सकती है जगह

मुम्बई (ईएमएस) ।भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान सूर्यकुमार यादव को अब टेस्ट टीम में भी जगह मिल सकती है ।सूर्या को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में शामिल किया जा सकता है ।एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश के खिलाफ सितंबर जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज अक्टूबर से होगी और इसमें सूर्या जगह बना सकते हैं ।सूर्यकुमार अभी बूची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई की ओ से खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट के लिए अपना दावा मजबूत करेंगे ।ठीक बाद वह दलीफ ट्रॉफी में भी खेलेंगे ।साल 2023 में सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था ।भारतीय टीम ने यह मैच पारी और 132 रन से जीता था ।इस मैच की पहली पारी में सूर्यकुमार केवल 8 रन ही बना पाये थे ।वहीं दूसरी पारी में उन्हें बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला ।इसके बाद से ही वह टेस्ट से बाहर रहे हैं ।टी20 में अपने शानदार प्रदर्शन से वह विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं ।टी20 विश्वकप में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था ।

महिला टी–20 विश्वकप 2024 की दावेदारी के लिए आगे आया यह देश

हरारे ।जिम्बाब्वे क्रिकेट ने महिला टी–20 विश्वकप की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है ।जिम्बाब्वे ने पिछले दो एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफायर (2023 और 2018 में) की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और उनके दो नए स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। इसी कारण से जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट की मेजबानी में अधिक दिलचस्पी ल रहा है ।हालांकि उनकी महिला टीम क्वालीफाइ नहीं होने कारण कभी भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है ।जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए टूर्नामेंट के तटस्थ मेजबान बनने के इच्छुक है ।जिम्बाब्वे 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी करेगा। तब तक देश में दो और अंतरराष्ट्रीय मैदान होंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट और स्थानीय सरकारी अधिकारी विक्टोरिया फॉल्स और मुतारे में बहुउद्देशीय सुविधाओं के निर्माण पर काम कर रहे हैं ।जिम्बाब्वे हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब को टी–20 विश्वकप के मेजबान के रूप में पेश कर सकता है ।इन मैदानों ने 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैचों की मेजबानी की थी ।

डोप जांच में फेल हुए श्रीलंकाई क्रिकेटर डिकवेला पर लगा प्रतिबंध

कोलंबो ।श्रीलंकाई क्रिकेटर निरोशन डिकवेला को डोप टेस्ट में असफल होने पर खेल के सभी प्रारुपों से बाहर कर प्रतिबंध दिगा दिया गया है। हाल में हुई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 में डिकवेला को एंटी डोपिंग नियमों को तोड़ने का दोषी पाये जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था। डिकवेला पर यह प्रतिबंध कब तक लागू रहेगा अभी इस बारे में नहीं कहा जा सकता। डिकवेला का विवादों से पुराना नाता रहा है. उनपर अनिश्चितकाल तक के लिए बैन लगाया जा सकता है. डिकवेला घरेलू टी20 लीग लंका प्रीमियर के दौरान एक दवा के डोपिंग रोधी टेस्ट में फेल हो गए थे ।एलपीएल वह गॉल मार्वल्स के कप्तान थे। डिकवेला की कप्तानी वाली गॉल मार्वल्स टीम ने लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन किया था। वह ग्रुप चरण में पहले नंबर पर रही थी ।मार्वल्स ने एलपीएल में 8 मैच खेले जिसमें से उसे 5 में जीत मिली। इसके बाद क्वालीफायर 1 में मार्वल्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और जाफना किंग्स के खिलाफ मुकाबला हार गयी। डिकवेला ने लंका प्रीमियर लीग 2024 में 10 पारियों में एक अर्धशतक के साथ ही कुल 184 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 153.33 का रहा। डिकवेला को हाल में भारत के खिलाफ खेली गई वनडे और टी20 सीरीज में शामिल नहीं किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का दावा, कहा- जो रूट 3-4 साल में सचिन तेंदुलकर में पीछे छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) । इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। वह टेस्ट क्रिकेट में वर्तमान ने 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड से मुश्किल से 4 हजार रन पीछे हैं। तेंदुलकर के 15,921 रन हैं। वहीं 33 साल के रूट के 143 टेस्ट की 261 पारी में 12,027 रन हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि अगर इंग्लैंड साल में 10 से 14 टेस्ट खेलता है तो जो रूट अगले 3-4 साल में तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। वह 37 साल की उम्र तक टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। पोंटिंग के 13,378 रन से रूट 1351 रन पीछे हैं। रूट ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। अब वह श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

इससे पहले पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर संजना गणेशन से कहा कि, वह ऐसा कर सकते हैं। वह 33 वर्ष के हैं। 3 हजार से ज्यादा पीछे है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने टेस्ट मैच खेलते हैं, लेकिन अगर वे साल में 10 से 14 टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अगर साल में 800 से 1000 रन बना रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उन्हें वहां पहुंचने में केवल तीन या चार साल लगेंगे। अगर उनमें भूख बनी रहती है, तो उशके ऐसा करने की पूरी संभावना है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप से पहले सिंकिफील्ड कप में होगी गुकेश और डिंग लीरेंन की टक्कर

सेंट लुईस ।आने वाले नवंबर में भारत के 18 वर्षीय डी गुकेश और चीन के मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लीरेंन के बीच विश्व चैंपियनशिप का सभी को इंतजार है पर दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को एक आगामी 19 अगस्त के दिन ही दोनों के बीच एक क्लासिकल मुक़ाबला देखने का मौका मिलने वाला है ।दरअसल ग्रांड चैस टूर के अंतिम पड़ाव सिंकफील्ड कप के पहले राउंड में दोनों खिलाड़ी क्लासिकल मुक़ाबला खेलेंगे ।इस मुक़ाबले में डिंग सफ़ेद मोहरो से तो गुकेश काले मोहोरो से खेलते हुए नजर आएंगे , और अगर इस मुक़ाबले में कोई एक जीतने में कामयाब रहा तो विश्व चैंपियनशिप के पहले वह दूसरे खिलाड़ी पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बना सकता है ।सिंकिफील्ड कप में कुल पुरुस्कार राशि 3 लाख 50 हजार डॉलर रखी गयी है , पहले राउंड में अन्य मुकाबलों में यूएसए के फबियानों करूआना फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा से , भारत के आर प्रज्ञानन्दा उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से , रूस के यान नेपोमनिशी फ्रांस के मकसीम लागरेव से और यूएसए के वेसली सो नीदरलैंड के अनीश गिरि से टक्कर लेते नजर आएंगे ।19 अगस्त से 28 अगस्त के बीच 10 खिलाड़ियों के बीच यह टूर्नामेंट राउंड रॉबिन आधार पर 9 राउंड में खेला जाएगा ।

पेरिस पैरालम्पिक : खेल मंत्री मांडविया बोले– मैंने 25 पदक का लक्ष्य बताया है

नई दिल्ली ।अपनी जिंदगी में हर तरह की चुनौतियों को मात देकर पैरालंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए तैयार खिलाड़ी एक बार फिर से इन खेलों में अपनी चमक बिखरने को तैयार हैं ।पैरालंपिक खेलों का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस में होगा ।भारत के 84 सदस्यीय दल के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित विदाई समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि उन्हें 'चुनौती' को चुनौती देने वाले खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है ।इस मौके पर खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया और उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल मौजूद थे ।मांडविया ने पिछले कुछ वर्षों में पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का 84 सदस्यों का दल पेरिस जा रहा है ।पिछली बार टोक्यो पैरालंपिक में यह संख्या 56 थी ।हमारे 56 खिलाड़ियों के दल ने 19 पदक जीते लेकिन इस बार हमारे खिलाड़ियों की संख्या 84 है ।हमें उम्मीद और विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर अपने माता पिता और देश का गौरव बढ़ाएंगे ।उन्होंने पैरालंपिक खिलाड़ियों से कहा कि आप चुनौती को चुनौती देने वाले खिलाड़ी हो, आप विपरीत परिस्थिति को अनुकूल करने वाले लोग हो ।आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है ।इस मौके पर भाला फेंक चैंपियन सुमित और गोला फेंक की अनुभवी खिलाड़ी भाग्यश्री जाधव को उद्घाटन समारोह के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक नामित किया गया ।

अदिति अशोक महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकीं

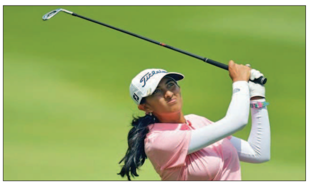

इर्विन (स्कॉटलैंड) ।भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में तीन ओवर 75 के लचर प्रदर्शन के साथ आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन टूर्नामेंट में कट हासिल करने में नाकाम रहीं ।लेडीज यूरोपीय टूर पर 5 बार की विजेता अदिति ने पहले दौर में 81 का स्कोर बनाया था ।अदिति ने दूसरे दौर में एक बोगी और एक डबल बोगी की जिसका उनका स्कोन तीन ओवर रहा ।वह दोनों दौर में एक भी बर्डी नहीं लगा पाईं ।अदिति स्कॉटिश ओपन में आठ बार हिस्सा लेते हुए छह बार कट से चूकीं हैं जबकि इस टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में आया जब वह संयुक्त रूप से 55वें स्थान पर रहीं ।ऑस्ट्रेलिया की मिनजी ली (तीन अंडर 69) और मेगान खेंग आठ अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही हैं ।

ओलिम्पिक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा- मैं खुद को चरम तक धकेल नहीं सका

मैगलिंगन (एजेंसी) । पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह खुद को चरम तक नहीं पहुंचा सके। चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से चूक गए और 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत ही जीत पाए। नीरज ने कहा कि वह मानसिक रूप से तैयार थे लेकिन शारीरिक क्षेत्र में कमी थी। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि फाइनल के दौरान उनका लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था।

नीरज कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह नहीं कर सकता... अरशद नदीम का पिछला सर्वश्रेष्ठ 90.18 मीटर था जो उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में फेंका था और मेरा पिछला सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर था... मैं खुद को अपनी चरम सीमा तक नहीं पहुंचा सका। मानसिक रूप से मैं तैयार था लेकिन शारीरिक रूप से, मैं खुद को फिर से प्रशिक्षित कर रहा था। रनवे पर मेरा लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था। नदीम के थ्रो के तुरंत बाद मेरा थ्रो अच्छा था क्योंकि मैं बेहद सकारात्मक था।

नीरज ने अपनी अगली प्रतियोगिता का भी खुलासा किया और कहा कि वह लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेंगे, जो 22 अगस्त से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि मैंने आखिरकार लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेने का फैसला किया है, जो 22 अगस्त से शुरू हो रही है। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और बीजिंग 2008 में डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन के निशान को पीछे छोड़ दिया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफलता के बाद नीरज ने अपने प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त किया और खुलासा किया कि पिछले दो से तीन साल फिटनेस के मामले में उनके लिए अच्छे नहीं थे। नीरज ने कहा कि यह एक अच्छा थ्रो था लेकिन मैं आज अपने प्रदर्शन से उतना खुश नहीं हूं। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। (मैं) केवल एक थ्रो करने में सफल रहा, बाकी मैंने फाउल कर दिया। नीरज ने कहा कि (मेरे) दूसरे थ्रो के लिए मुझे लगा कि मैं भी इतनी दूर तक थ्रो कर सकता हूं। लेकिन भाला में, अगर आपकी दौड़ इतनी अच्छी नहीं है, तो आप बहुत दूर तक थ्रो नहीं कर सकते।

जिला समन्वय एवं परिवाद समिति की बैठक जिला कलेक्टर डॉ.सौरभ पारधी की अध्यक्षता में हुई

सूरत।

जिला कलेक्टर कार्यालय के सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में जिला समन्वय एवं शिकायत समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जन प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से लें और समाधान करें. उन्होंने विधायकों से सवालों का समय पर जवाब और की गयी विभागीय कार्रवाई का ब्योरा भी देने को कहा.

विधायक श्री अरविंदभाई राणा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में अशांत धारा को सख्ती से लागू करने के लिए सुझाव दिया कि टोरेंट पावर कंपनी ग्राहकों की सुविधा और सुविधा के लिए बिजली बिल राशि नकद, चेक और ऑनलाइन जैसे सभी तरीकों से स्वीकार करती है। विधायक श्री ईश्वरभाई परमार ने बारडोली रायम गांव के रैयाम चौक पर दुर्घटना की आशंका को देखते हुए उचित कार्रवाई करने को कहा.

विधायक श्री मनुभाई पटेल ने राशन कार्ड के लंबित दावा आवेदनों का निस्तारण किया, आवेदकों की सुविधा के लिए राशन कार्ड कार्यालय का विभाजन, संपत्ति कार्ड अनुमोदन, आयुष्मान कार्ड का नवीनीकरण, आयुष्मान सॉफ्टवेयर में अद्यतन करने में समस्या, पांडेसरा हाउसिंग बोर्ड प्लॉट नं. 530 एवं 432 पुनर्विकास के संबंध में कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किये गये। इस संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

विधायक श्री विनोदभाई मोर्डिया ने कोसाड गांव के पास अंजलि औद्योगिक नहर से शुरू होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 8 को राज पैलेस तक जोड़ने वाली 6 लेन सड़क के निर्माण को शीघ्र पूरा करने का प्रस्ताव दिया। विधायक गणपतभाई वसावा ने जरूरतमंद लाभार्थियों को शौचालय दिलाने के संबंध में एक प्रस्तुति दी। विधायक पूर्णेश मोदी ने अडाजण तापी के तट पर तटबंध बनाने सहित कई प्रस्ताव रखे।

कलेक्टर ने जन प्रतिनिधियों के प्रश्नों का सकारात्मक समाधान निकालने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भाविनीबेन पटेल, जिला विकास अधिकारी श्रीमती शिवानी गोयल, प्रांत अधिकारी विक्रम भंडारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के पिता का निधन

सुरत भुमि, सूरत।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के पिता का निधन हो गया है। 17 अगस्त 2024 को उन्होंने अंतिम सांस ली। हर्ष संघवी के पिता, प्रवीण संघवी, का स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा था, और उन्होंने आखिरकार अपने आवास पर ही अंतिम सांस ली। उनके निधन से संघवी परिवार में शोक का माहौल है।

हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया के जरिए अपने पिता के निधन की सूचना दी और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने पिता के योगदान और उनके जीवन के आदर्शों की प्रशंसा करते हुए लिखा कि उनके पिता ने हमेशा परिवार को एकजुट रखा और उन्हें जीवन के मूल्यों का पाठ पढ़ाया।

इस दुखद घटना के बाद हर्ष संघवी के समर्थकों और उनके साथी नेताओं ने भी उनके पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अंतिम संस्कार में कई प्रमुख नेता और स्थानीय लोग उपस्थित थे, जिन्होंने प्रवीण संघवी को अंतिम विदाई दी।गुजरात के मुख्यमंत्री सहित कई राजनीतिक हस्तियों ने भी संघवी परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। हर्ष संघवी ने अपने पिता के निधन के बाद सभी से उनके लिए प्रार्थना करने की अपील की है।

वाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल ने मनाया भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस

सुरत भुमि, सूरत। जैसे ही भारत अपना 78 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, आइए हम शांति और एकता के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लें। हम भारत और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ एकजुट होकर "हर घर तिरंगा" अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। वाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल ने प्री-स्कूलों और आवासीय समाजों में एक हजार से अधिक राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए हैं, जो विविधता में एकता की भावना को अपनाते हैं। आइए हम याद रखें कि स्वतंत्रता का सच्चा सार केवल उत्पीड़न से मुक्ति में ही नहीं बल्कि इस साझा जिम्मेदारी में भी निहित है कि हर नागरिक गरिमा और सम्मान के साथ जी सके।

आज इस महत्वपूर्ण दिन पर, हम अपने पूर्वजों के बलिदानों, हमने जो चुनौतियाँ पार की हैं, और आगे की यात्रा पर विचार करते हैं। यह दिन न केवल हमारी स्वतंत्रता और संप्रभुता का उत्सव है, बल्कि दुनिया में जारी संघर्षों, वैश्विक युद्धों के विनाशकारी प्रभावों और धार्मिक संघर्षों के दुखद प्रभावों की भी मार्मिक याद दिलाता है।

जैसे ही हम अपनी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, हमें यह पहचानना चाहिए कि युद्धों के परिणाम केवल युद्धभूमि तक ही सीमित नहीं हैं। वे अर्थव्यवस्थाओं को बाधित करते हैं, समुदायों को विस्थापित करते हैं, और गहरी दुश्मनियों को जन्म देते हैं जो पीढ़ियों तक बनी रह सकती हैं। भारत, एक ऐसे राष्ट्र के रूप में जो शांति का आदर करता है, संघर्षों के लिए कूटनीतिक समाधान का समर्थन करता है, वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों का समर्थन करता है, और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रयासरत है जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ युद्ध के भय से मुक्त होकर रह सकें।

अंत में, 78वां स्वतंत्रता दिवस न केवल उत्सव का दिन है बल्कि चिंतन का भी दिन है। यह हमें अतीत से सीखने, विभाजन और संघर्ष के खतरों को समझने और एक शांतिपूर्ण और एकजुट राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता का स्मरण कराता है।

वाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल के संकाय और छात्रों ने शांति और एकता के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया है। उनका समर्पण कैंपस में ध्वजारोहण समारोह के दौरान स्पष्ट था, जहाँ वे एकजुट होकर खड़े हुए। छात्रों द्वारा खूबसूरती से प्रस्तुत किए गए स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक ऐसे राष्ट्र का हिस्सा होने पर गहरी गर्व की भावना प्रदर्शित हुई जो न केवल अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और विकास में बल्कि मानवता में भी एक वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर अग्रसर है।

15 अगस्त की शाम को पांच घंटे तक अमरोली में शांभवी विद्यापीठ की 40 छात्राओं ने 14 विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किये

सूरत।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संस्कृत को स्थानीय भाषा के रूप में पुन: स्थापित करने के लिए सूरत के अमरोली में 30 वर्षों से भरतनाट्यम नृत्य कक्षा और संस्कृत संचार कक्षा चलाने वाली शांभवी विद्यापीठ ने 15 अगस्त की शाम को पांच घंटे तक अमरोली में 40 छात्राओं ने 14 विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किये। पटेल कॉमर्स कॉलेज के सभागार में प्रस्तुत किया गया। प्रा. भरत व्यास और नीता व्यास ने गणमान्य व्यक्तियों को रुद्राक्ष की माला और श्रीमद्भगवद गीता पुस्तक भेंट करके सम्मानित किया। अतिथियों ने अपने कर कमलों से विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। मुख्य अतिथि के रूप में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति श्री डॉ. किशोरसिंह चावड़ा ने भारतीय संस्कृति के प्रति प्रो. भरत व्यास और नीता व्यास की सेवाओं की सराहना करते हुए भाषण दिया।

भारतीय विद्यामंडल, कामरेज चार रास्ता, सूरत के अध्यक्ष श्री अरविंदभाई भक्त, ज्ञान ज्योत विद्यालय गोडादरा के प्रबंधक श्री लालजीभाई नकुम, मौनी इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक श्री जे. बी. पटेल, श्री रत्नसागर विद्यालय, छापराभाटा के प्रबंधक श्री घनश्यामभाई लादुमोरे संस्कार भारती, सूरत के अध्यक्ष श्री प्रियंकभाई जरीवाला, शिवांश कला अकादमी की कला गुरु श्रीमती रचनाबेन गोस्वामी, प्रतिभा नृत्य अकादमी की कला शिक्षिका श्रीमती प्रतिभाबेन लश्करी, और संस्कृत भारती, सूरत के समन्वयक श्री डॉ. सुरेश भाई अवैया आदि उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर संस्कृतोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन रूपाबेन दादावाला ने किया। इस कार्यक्रम की तैयारी शांभवी विद्यापीठ की कलागुरु श्रीमती निताबेन व्यास ने लगभग दो माह तक की थी। शांभवी विद्यापीठ के निदेशक प्रा. भरत व्यास संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए 1990 से गुजरात के कई कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों में संस्कृत वार्तालाप शिविर आयोजित करते हैं। उन्होंने समाज में संस्कृत के प्रचार-प्रसार का संदेश देने के लिए सरल संस्कृत भाषा में चरित्र नाटक "पिता का संस्कृत" प्रेम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में करीब 240 लोग मौजूद थे।

सिट्रोएन ने बैसाल्ट लॉन्च की- भारत की पहली मेनस्ट्रीम एसयूवी कूपे – एसयूवी एटीट्यूड और कूपे का एलिगेंस

चेन्नई: सिट्रोएन इंडिया ने भारत की पहली मेनस्ट्रीम एसयूवी कूपे – बैसाल्ट के लॉन्च की घोषणा कर दी। इसमें ग्राहकों को एसयूवी के मज़बूत आकर्षण के साथ कूपे का स्लीक एलिगेंस और विशाल रिफाईनमेंट मिलेगा। सिट्रोएन बैसाल्ट में बोल्ड, कमांडिंग स्टांस, श्रेणी में सबसे विशाल स्पेस और एयरोडायनामिक सिल्हुएट के साथ ड्राइविंग का अतुलनीय अनुभव प्राप्त होगा। 100 सालों से सिट्रोएन की विरासत रही इनोवेशन और कम्फर्ट की प्रतिबद्धता के साथ बैसाल्ट ऑटोमोटिव उत्कृष्टता का एक नया युग शुरू कर रही है, जिसमें आधुनिक फीचर्स और ड्राइविंग के आनंद को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है।

बैसाल्ट की डिलीवरी पूरे देश में स्थित ला मेज़ों सिट्रोएन फ़िजिटल शोरूम्स से सितंबर, 2024 के पहले हफ्ते से शुरू होगी।

नई सिट्रोएन बैसाल्ट के बारे में शैलेष हजेला, सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, स्टेलैंटिस इंडिया ने कहा, "ग्राहकों के आराम और वैलबींग को महत्व देने वाली कंपनी के रूप में हम भारत की पहली मेनस्ट्रीम एसयूवी कूपे पेश करते हुए बहुत उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य साफ है, हम तेजी से विकसित होते हुए मिडसाईज़्ड और कॉम्पैक्ट एसयूवी बाजार में ज्यादा सुलभ और सॉफिस्टिकेटेड विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। बैसाल्ट में आधुनिक, डिस्टिंक्टिव एसयूवी डिज़ाईन है, जो अतुलनीय कम्फर्ट, आधुनिक टेक्नोलॉजी, टॉप-टियर सुरक्षा, और असाधारण मूल्य प्रदान करता है, जिसके लिए सिट्रोएन मशहूर है। साथ ही, इसमें कूपे की विशालता और बहुमुखी सौंदर्य है, जो ऑटोमोटिव उत्कृष्टता के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर देगा।"

नई सिट्रोएन बैसाल्ट के लॉन्च के बारे में शैलेष हजेला, सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, स्टेलैंटिस इंडिया ने कहा, "सिट्रोएन बैसाल्ट का ऑफिशियल लॉन्च हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह इनोवेशन और एक्सेसिबिलिटी के साथ बेहतरीन वाहन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। बैसाल्ट का विशिष्ट एसयूवी कूपे डिज़ाईन, आधुनिक टेक्नोलॉजी और अतुलनीय कम्फर्ट भारतीय उपभोक्ताओं की विकसित होती हुई पसंद के अनुरूप है। हमें मिली बेहतरीन शुरुआती बुकिंग बाजार में इस उत्पाद की सफलता प्रदर्शित करती है, और हमें उम्मीद है कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों द्वारा बैसाल्ट का अनुभव लेने के साथ यह सफलता बढ़ती चली जाएगी। बैसाल्ट के साथ हम एसयूवी के स्वामित्व के अनुभव को पूरी तरह से बदलना चाहते हैं।"

शिशिर मिश्रा, ब्रांड डायरेक्टर, सिट्रोएन इंडिया ने कहा, "सिट्रोएन बैसाल्ट केवल एक वाहन नहीं, यह ऑटोमोटिव डिज़ाईन के भविष्य में एक साहसी छलांग है। यह एसयूवी कूपे व्यवहारिकता के साथ विशालता प्रदान करने के लिए बनाई गई है, जो सिट्रोएन की इनोवेटिव भावना को प्रतिबिंबित करती है। हमारा विश्वास है कि बैसाल्ट भारत में नए मानक स्थापित कर देगी, और एक सॉफिस्टिकेटेड एवं एक्सेसिबल ड्राईविंग का अनुभव प्रदान करेगी, जो स्टाईल, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस के सिट्रोएन के प्रमुख मूल्यों के अनुरूप है।"

द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के लिए एक अनूठी उपलब्धि हासिल की

सूरत। 16 अगस्त को द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल, जहांगीराबाद, सूरत में, हमारे छात्रों पार्थी टेलर और प्रियांशु टेलर ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के लिए अविश्वसनीय चुनौतियों का सामना करके एक अनूठी उपलब्धि हासिल की। पार्थी ने 3500 किलोग्राम वजनी टाटा 407 टेंपो को अपनी उंगली से 10 बार गुजारकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अनोखी उपलब्धि हासिल की। प्रियांशु ने अपने अथक प्रयासों से 2 मिनट में 500 टाइल्स तोड़कर अपने दृढ़ संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति से नई ऊंचाइयां हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हमारे युवा चैंपियंस का समर्थन करने के लिए हमारे पूरे रेडियंट परिवार को धन्यवाद! स्कूल के उपाध्यक्ष श्री जिग्नेशभाई मांगूकिया, प्रबंध निदेशक किशनभाई मांगूकिया, ट्रस्टी ईश्वरभाई मांगूकिया, परिसर निदेशक आशीष वाघानी, प्रिंसिपल त्रिशार परमार ने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व किया।

ज़रूरतमंद लोगों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शनिवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में ज़रूरतमंद लोगों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस मौके पर महिला शाखा की सदस्यों द्वारा प्रज्ञा चक्षु फाउंडेशन के सभी भाइयों को राखी बांधी गई और गिफ्ट्स में उन्हें बैग्स दिए गए तत्पश्चात उनके साथ गेम्स खेले, गरबा किया और नाश्ता कराया गया। इस अवसर पर महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, सीमा कोकडा, प्रीति गोयल, रितु गोयल और शालिनी मित्तल सहित अनेको सदस्य उपस्थित रही।

फ्लिपकार्ट इस रक्षाबंधन पर भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने वाले राखी कारीगरों को सम्मानित करता है

जैसा कि देश अपने प्रिय त्योहार रक्षाबंधन को मनाने की तैयारी कर रहा है, यह उन उद्यमियों पर प्रकाश डालता है जो अपनी रचनात्मकता और शिल्प कौशल के साथ इस परंपरा को जीवंत करते हैं। भारत का घरेलू ई-कॉमर्स बाज़ार फ्लिपकार्ट इन विक्रेताओं को समर्थन देने और देश के लाखों उपभोक्ताओं तक उनकी पहुंच बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाता है। इस रक्षाबंधन पर, मंच उन उद्यमियों की प्रेरक सफलता की कहानियां लेकर आया है जिन्होंने फ्लिपकार्ट के सहयोग से अपने सपनों को साकार किया है। जबकि यह त्योहार भाइयों और बहनों के बीच सुरक्षा और प्यार के शाश्वत बंधन का जश्न मनाता है, यह अनगिनत उद्यमियों के समर्पण और कड़ी मेहनत को भी सामने लाता है जो इस त्योहार का मुख्य हिस्सा सामी राखियां तैयार करते हैं।

तो यहां ऐसे ही कुछ उद्यमियों की प्रेरक कहानी है, उनमें से एक, ड्रीमिका के दूरदर्शी संस्थापक नकुल विजय ने ई-कॉमर्स की दुनिया में एक नई यात्रा शुरू करते हुए 2023 में फ्लिपकार्ट पर अपनी राखी लॉन्च करने का फैसला किया। इसके अलावा, समीर रजनी की सफलता की कहानी, जिनकी सफल उद्यमिता डेओडेप के पीछे है, ने पारंपरिक राखी हस्तशिल्प के व्यवसाय में क्रांति ला दी और फ्लिपकार्ट के माध्यम से राखियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया।

नकुल विजय, जयपुर का जीवंत शहर, ड्रीमिका की परिकल्पना है, जिसने ई-कॉमर्स की दुनिया में, विशेष रूप से राखी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रवेश किया है। अपने कॉलेज के दिनों में एक उद्यमी के रूप में शुरुआत करने के बाद, नकुल ने शुरुआत में घर और दीवार की सजावट जैसी वस्तुओं को उपहार में देने पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन 2023 में उन्होंने फ्लिपकार्ट के साथ ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर ड्रीमिका की राखियां लॉन्च कीं, जो एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

फ्लिपकार्ट पर सबसे बड़ी राखी विक्रेता ड्रीमिका ने अपनी स्थापना के बाद से तीन गुना की प्रभावशाली वृद्धि देखी है। 34 सदस्यों की एक समर्पित टीम के साथ, नकुल का अनुमान है कि वह सालाना 1 लाख यूनिट राखी बेचेंगे और पूरे भारत में वितरित करेंगे। वह अपनी सफलता का श्रेय फ्लिकार्ट के अविश्वसनीय समर्थन और मजबूत भंडारण सुविधाओं को देते हैं, जिसने उन्हें देश भर के पांच राज्यों में अपने उत्पाद को स्टॉक करने की अनुमति दी है। नकुल की राखी अपनी गुणवत्ता और विशिष्ट डिजाइनों के लिए जानी जाती है, त्योहारी सीजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मोर के रूपांकनों और चॉकलेट के साथ उपहार देने वाले कॉम्बो की सबसे अधिक मांग है।

फ्लिपकार्ट से जुड़ने से पहले नकुल ऑफलाइन गिफ्टिंग आइटम बेचते थे, लेकिन राखी वेंचर्स से जुड़ने के बाद उन्हें ई-कॉमर्स की क्षमता का एहसास हुआ। फ्लिपकार्ट को अपने प्लेटफॉर्म के रूप में चुनना उसके लिए एक रणनीतिक कदम था, जिसने उसे प्लेटफॉर्म के लिए उपयोगकर्ता की मांग के आधार पर देश भर में अपना कारोबार बढ़ाने का मौका दिया। आगे बढ़ते हुए, नकुल ने ड्रीमिका की उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करने के लिए दिवाली और होली जैसे अन्य त्योहारों के दौरान बाजारों तक पहुंचने के लिए फ्लिपकार्ट का लाभ उठाना जारी रखने की योजना बनाई है। उनकी यात्रा रक्षाबंधन के सार को दर्शाती है, जो विकास, सुरक्षा और संबंध को जोड़ती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)